



8

पेज

रनों के लिए जूझ रहे रतुराज

दैनिक

हिंदमाता

मिरर

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुखा खबर



8

पेज

राका में शाहरुख खान की एंट्री



सुप्रभात



मौसम का भिजाज

सूर्यास्त (16 अप्रैल) 6:56 बजे, सूर्योदय (17 अप्रैल) 6:20 बजे, चापमान: 31 डिग्री से. (थूप खिली रहेगी।)

शॉर्ट स्टोरी

ईरान ने दी तीन रास्ते बंद करने की धमकी

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में कहा कि हम अब पूरी तरह से उसे खोल रहे हैं। चीन से हमारी इसको लेकर बात हुई है। चीन ईरान को हथियार नहीं देगा, जिसके बाद हमने इसे हमेशा के लिए खोलने का फैसला किया है, वहीं ईरान ने दुनिया के तीन अहम समुद्री रास्तों बंद करने की धमकी दी है। उसने कहा है कि अगर अमेरिका ने होर्मुज और उसके बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखी, तो वह रेड सी, ओमान सागर और पश्चिम गल्फ (फास की खाड़ी) में समुद्री व्यापार पूरी तरह रोक देगा। ईरानी सेना के केंद्रीय कमांड सेंटर चीफ अली अब्देल्लाही ने कहा कि ईरान निर्णायक कार्रवाई करेगा।

डीआरडीओ वैज्ञानिक कुरुलकर को बेल नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को रिटायर्ड डीआरडीओ वैज्ञानिक प्रदीप कुरुलकर को जमानत देने से इनकार कर दिया। कुरुलकर को 2023 में एक कथित पाकिस्तानी महिला खुफिया एजेंट के साथ संवेदनशील जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने कहा कि उन्होंने अंतरंग बातचीत के दौरान अहम जानकारी लीक की थी। जस्टिस एस.जी. डिगे की बेंच ने यह भी कहा कि, भले ही कुरुलकर अब रिटायर्ड हो चुके हैं, लेकिन वे उन गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं जिन्होंने उनके अधीन काम किया है, और वे फरार भी हो सकते हैं। कुरुलकर (60) को 3 मई, 2023 को गिरफ्तार किया था।

अश्विनी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

टीसीएस आईटी कंपनी के नाशिक स्थित बीपीओ यूनिट में यौन उत्पीड़न और घमांतवण के गंभीर आरोपों ने हड़कंप मचा दिया है। इस मामले में पुलिस ने कंपनी की एचआर मैनेजर निदा खान को गिरफ्तार किया है, जो शुरुआत में फरार चल रही थी। निदा खान के साथ पुलिस ने कंपनी की ऑपरेशन मैनेजर अश्विनी चवानी को भी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने महिला कर्मचारियों की शिकायतों को सुनने के बजाय उन्हें दबाओ और अपराधियों का साथ देने का काम किया। कंपनी की पोश एक्ट का हिस्सा निदा खान पर आपराधिक धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

अबू सलेम को बॉम्बे हाईकोर्ट से करारा झटका

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के दोषी और अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर अबू सलेम को बॉम्बे हाईकोर्ट से करारा झटका लगा है। अदालत ने बुधवार को सलेम की उस याचिका को सिर से खारिज कर दिया, जिसमें उसने 25 साल की सजा पूरी होने का दावा करते हुए तत्काल रिहाई की मांग की थी। न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि इस स्तर पर सजा में छूट के मुद्दे पर कोई भी विचार करना अपरिपक्व होगा। अबू सलेम ने अपनी वकील फहाना शाह के माध्यम से दायर याचिका में तर्क दिया था कि उसकी 25 साल की कैद की अवधि पूरी हो चुकी है।

व्यक्ति की सुध-बुध छीन लेता है यह नशा, मांस को सड़ा डालता है

मीरा-भायंदर में जॉम्बी ड्रग?

वायरल क्लिप ने बढ़ाई टेंशन, पुलिस अलर्ट

जॉम्बी ड्रग क्या है?

जॉम्बी ड्रग कोई आधिकारिक नाम नहीं है, बल्कि यह एक खतरनाक पदार्थ जाइलाजीन के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला आम नाम है। यह मूल रूप से पशुओं (घोड़े, गाय आदि) को शांत करने के लिए बनाया गया था और मानव उपयोग के लिए स्वीकृत नहीं है। आजकल इसे अवैध रूप से हेरोइन या फेटेनाइल जैसे नशों में मिलाकर बेचा जाता है, जिससे इसका असर और खतरनाक हो जाता है।

जॉम्बी ड्रग के सेवन से क्या प्रभाव होता है?

जॉम्बी ड्रग को इतना खतरनाक इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसके प्रभाव बेहद गंभीर और डरावने होते हैं:

मानसिक और शारीरिक प्रभाव- व्यक्ति अचल या बेहोशी जैसी अवस्था में चला जाता है। किसी जॉम्बी की तरह प्रतिक्रिया देना बंद कर देता है। अत्यधिक नींद, भ्रम और बेहोशी।

शरीर पर असर- दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर बहुत कम हो जाता है। सांस लेने में दिक्कत। ओवरडोज से मौत का खतरा।

सबसे खतरनाक प्रभाव- शरीर पर ड्रग घाव बन जाते हैं। त्वचा सड़ने लगती है। कई मामलों में अंग काटने तक की नौबत आ जाती है।

किन देशों में प्रतिबंध है?

यूनाइटेड किंगडम ने 2024-2025 के आसपास इसे प्रतिबंधित कर दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका में इसे पूरी तरह बंद नहीं किया गया, लेकिन इसके आयात और उपयोग पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। कई अन्य देशों में यह अभी 'ग्रे एरिया' में है, लेकिन तेजी से नियंत्रण बढ़ाया जा रहा है।

भारत में क्या स्थिति है?

भारत में अभी तक आधिकारिक रूप से जॉम्बी ड्रग का बड़ा प्रकोप साबित नहीं हुआ है। हाल ही में मुंबई, बेंगलूर, चंडीगढ़ आदि जगहों से कुछ 'जॉम्बी' जैसे व्यवहार 'वाले वीडियो वायरल हुए, लेकिन इन मामलों में अधिकांश अभी तक पुष्टि नहीं हुई है यानी खतरा मौजूद है, लेकिन अभी भारत में यह फैल चुका है—एसा टोस प्रमाण नहीं है। यदि मीरा-भायंदर के वायरल मामले में जॉम्बी ड्रग की पुष्टि होती है, तो यह गंभीर खतरे की चेतावनी होगी।

महायुति ने महाराष्ट्र को डूबता राज्य बनाया

■ कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सपकाल का हमला

नशे की गिरफ्त में जा रही है युवा पीढ़ी

सपकाल ने कहा कि मादक पदार्थों की आपूर्ति और इसका उपयोग अब केवल मुंबई और पुणे जैसे बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के छोटे शहरों और तहसीलों तक फैल गया है। उन्होंने दावा किया कि गुजरात के कांडला बंदरगाह से महाराष्ट्र तक एक मादक पदार्थ गलियारा इस अवधि व्यापार को बढ़ावा दे रहा है और इसे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार महाराष्ट्र को संकट की ओर धकेल रही है और राज्य की युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में जा रही है।

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक के कुख्यात जालसाज अशोक खरात मामले में सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर महाराष्ट्र की राजनीति में भूकंप ला दिया है। दमानिया ने उन राजनेताओं और अधिकारियों की एक विस्तृत सूची जारी की है, जो कथित तौर पर खरात के संपर्क में थे। उन्होंने आरोप लगाया कि खरात की दैवीय शक्ति के दावों और ठगी के साम्राज्य को फलने-फूलने में रस्सखदार लोगों का बड़ा हाथ रहा है।

अशोक खरात से संपर्क करने वाले सभी नेताओं का नाम उजागर

एटीएस से तेज निकलीं दमानिया!

कॉल डिटेल्स के साथ बड़ा खुलासा

दमानिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि अशोक खरात के संपर्क में कुल 1825 लोग थे। उन्होंने सबसे ज्यादा कॉल करने वाले 10 नंबरों का विवरण साझा करते हुए बताया कि ये लोग कितनी बार और कितनी देर तक खरात से बात करते थे। दमानिया ने कहा, खरात इतना बड़ा अपराधी कैसे बन गया? उसे राजनेताओं और अधिकारियों ने पाल-पोस कर बड़ा किया। मुंबई में तैनात एक डिप्टी कलेक्टर उसकी लागातार मदद कर रहा था।

विपक्ष महिला आरक्षण के साथ, परिसीमन के खिलाफ

क्या बदल जाएगा भारतीय लोकतंत्र का डिजाइन?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली/ मुंबई

संसद का स्पेशल सत्र 16 से 18 अप्रैल तक चलेगा। इसको लेकर सियासत का पारा हाई है। केंद्र सरकार 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को 2029 तक लागू करने के मिशन पर है लेकिन रास्ते में सबसे बड़ा सवाल परिसीमन और सीटों का नया गणित है। इस बिल में एक तरफ 33% महिला आरक्षण तो दूसरी तरफ राज्यों के बीच सीटों का संतुलन बनाना चुनौती है यानी इस बिल में नारी शक्ति बनाम लोकसभा क्षेत्रों का री-डिजाइन मुख्य विषय है। तीन दिन का ये सत्र छोटा जरूर है मगर इसका असर बड़ा होगा। सरकार 2023 में पास हानारी शक्ति वंदन अधिनियमह को अब बंगाल और तमिलनाडु चुनाव से पहले तेजी से लाना चाहती है। मौजूदा नियमों के मुताबिक, ये कानून 2027 की जनगणना और उसके बाद परिसीमन के बाद लागू होना था। मगर सरकार ने अब इंतजार न करने का फैसला किया है। इसके लिए तीन बिल लाए जा रहे हैं। संविधान संशोधन, परिसीमन बिल और यूनिजन टैरिटरी संशोधन बिल... मतलब अब 2034 का इंतजार नहीं करना होगा। यह आरक्षण 2029 के लोकसभा चुनावों से ही लागू हो सकता है।

तीन दिन, 28 घंटे और सत्ता का नया समीकरण!

संसद का नक्शा भी बदलेगा और सियासत का चेहरा भी

विधेयक में लोकसभा की 543 सीटों को बढ़ाकर करीब 850 तक ले जाने का प्रस्ताव है। इसमें करीब 273 सीटें महिलाओं के लिए रिजर्व होगी। मतलब साफ है इस बिल से संसद का नक्शा भी बदलेगा और सियासत का चेहरा भी। इसमें सबसे बड़ा ट्विस्ट ये है कि 2027 की बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन की तैयारी है क्योंकि बिल में साफ लिखा है आखिरी जनगणना परिसीमन का आधार रहेगा ताकि 2029 से ही महिला आरक्षण लागू किया जा सके। 33% आरक्षण, एससी-एसटी महिलाओं को इसी में हिस्सा, 15 साल की अवधि और सीटों का रोटेशन।

अब सबसे अहम नंबर गेम!

लोकसभा में एनडीए के पास करीब 292-293 सांसद हैं लेकिन संविधान संशोधन के लिए चाहिए विशेष बहुमत। अगर पूरा सदन मौजूद रहा तो करीब 362 वोट जरूरी होंगे यानी सरकार को करीब 70 अतिरिक्त वोट चाहिए। राज्यसभा में भी तस्वीर आसान नहीं है। करीब 141 सीटें एनडीए के पास हैं लेकिन 164 के आंकड़े से दूर यानी सरकार को बाहर के दलों का समर्थन चाहिए और विपक्ष को समय पर एतराज है। यहीं से असली घमासान शुरू होता है। मुद्दा सिर्फ महिला आरक्षण का नहीं है बल्कि पावर बैलेंस का है। सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर सीटों का नया फॉर्मूला चाहती है लेकिन दक्षिण भारत के राज्य- तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक पूरी तरह अलर्ट पर हैं। उनका तर्क है कि जनसंख्या कंट्रोल हमने किया और अब नुकसान भी हमें?

आरक्षण का समर्थन, परिसीमन का विरोध

उर ये कि नई सीटों में उत्तर भारत मजबूत होगा और दक्षिण का राजनीतिक वजन कम। इसलिए सर्वदलीय बैठक की मांग की गई है और साफ चेतावनी भी दी गई है कि बिना सहमति आगे बढ़े, तो विरोध तय है। विपक्ष का स्टैंड साफ है कि महिला आरक्षण का समर्थन है लेकिन परिसीमन के नाम पर पावर शिफ्ट मंजूर नहीं। विपक्षी दल सवाल उठा रहे हैं कि आरक्षण के बहाने सियासी नक्शा बदला जा रहा है?

सीएम फडणवीस का बड़ा दांव, लिखे पत्र

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बड़ी पहल की है। उन्होंने दलीय सीमाओं को तोड़ते हुए राज्य के सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रदेश अध्यक्षों को व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखा है। फडणवीस की इस चिठ्ठी ने राज्य के सियासी गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने यह पत्र न केवल अपनी सहयोगी पार्टियों को, बल्कि धुर विरोधी खेमे के नेताओं को भी भेजा है। इसमें शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, राकांपा शरद पवार गुट के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे और एनसीपी के सुनील तटकरे जैसे कद्दावर नेताओं के नाम शामिल हैं।

पत्र में क्या लिखा है?

अपने पत्र में देवेंद्र फडणवीस ने महिला आरक्षण विधेयक को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि यह समय राजनीति से ऊपर उठकर आधी आबादी को उनका हक दिलाने का है। उन्होंने सांसदों से आग्रह किया है कि वे संसद के आगामी सत्रों में इस विधेयक के पक्ष में मजबूती से खड़े हों और बिना किसी अवरोध के इसे पारित करने में अपना बहुमूल्य सहयोग दें।

महाराष्ट्र को तोड़ने की साजिश रची जा रही है?

पिछली जनगणना (2011) के आधार पर होने वाले परिसीमन के बाद लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 की जाएंगी। इस कवायद में महाराष्ट्र की लोकसभा सीटें 48 से बढ़कर 72 और विधानसभा सीटें 288 से बढ़कर 400 होने का अनुमान है।

लिटस्ट में दिग्गजों के नाम

अंजलि दमानिया ने जो सूची पेश की है, उसमें सत्तापक्ष और विपक्ष के कई बड़े चेहरों का नाम शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इन नेताओं के अपराध में शामिल होने का दावा नहीं कर रही हैं, लेकिन ये सभी विपक्ष के सक्रिय संपर्क में थे।

सूची में शामिल प्रमुख नाम

डीसीएम एकनाथ शिंदे और सुनील तटकरे। एनसीपी के जयंत पाटील (जिनका नाम आने पर दमानिया ने हेरानि जाताई)। चंद्रकांत पाटील और उनके पीए मंगेश देशपांडे। नाशिक के विधायक नितिन पवार और पूर्व विधायक शिवाजी शाहणे। चाकणकर और विपक्ष के कई बड़े चेहरों का नाम शामिल है।

साजिश और फरारी पर सवाल

दमानिया ने आरोप लगाया कि कल्पना खरात और हर्षवर्धन खरात को जानबूझकर छिपाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि इन दोनों की गिरफ्तारी हो जाती है, तो इस पूरे रैकेट के पीछे की असली साजिश और उन्हें संरक्षण देने वाले चेहरों का पर्दाफाश हो जाएगा। कई राजनेता शायद अपनी किस्मत चमकाने जाते थे।

हिंदमाता एंकर:

2050 तक दुनिया की लगभग 20% आबादी यानी करीब 200 करोड़ लोग लिवर डिजीज से पीड़ित होंगे

2050 तक हर चौथे इंसान को होगी लिवर की बीमारी, वैज्ञानिकों की चेतावनी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

लिवर इंसानी शरीर का काफी जरूरी अंग है इसलिए इसकी हेल्थ का ख्याल रखना काफी जरूरी है। अक्सर एक्सपर्ट्स समय-समय पर लिवर हेल्थ पर ध्यान देने की भी सलाह देते हैं। लेकिन हाल ही में एक डराने वाली रिपोर्ट सामने आई है। दरअसल, खानपान की गलत आदतों और मोटापे के कारण होने वाली मेटाबॉलिक लिवर डिजीज ग्लोबल बीमारी बनने की कगार पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले 25 सालों में दुनिया की बड़ी आबादी इस बीमारी की चपेट में होगी। डराने वाली बात ये है कि यह बीमारी सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि ये युवाओं को भी अपनी चपेट में लेगी।

दुनिया भर में करीब 1.3 अरब लोग प्रभावित

हालिया आंकड़ों की बात करें तो अभी दुनिया भर में करीब 1.3 अरब लोग मेटाबॉलिक डिसफंक्शन-एसोसिएटेड स्टीयोटिक लिवर डिजीज से पीड़ित हैं। आंकड़ों को देखकर कहा जा सकता है कि पिछले करीब 30 साल में 143 प्रतिशत की बढ़त हुई है और हर 6 में 1 व्यक्ति यानी करीब 16 प्रतिशत लोग इससे पीड़ित हैं।

क्या कहती है स्टडी?

लैसैट गैट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी मैगजीन में प्रकाश हुई स्टडी के मुताबिक, 2050 तक दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत आबादी यानी करीब 200 करोड़ लोग मेटाबॉलिक डिसफंक्शन-एसोसिएटेड स्टीयोटिक लिवर डिजीज से पीड़ित होंगे।

तेजी से बढ़ रहे हैं आंकड़े

रिसर्च में पाया गया है कि 1990 में लगभग 5 करोड़ लोग मेटाबॉलिक डिसफंक्शन-एसोसिएटेड स्टीयोटिक लिवर डिजीज से पीड़ित थे और 2023 तक ये आंकड़े बढ़कर 13 करोड़ हो गए। अनुमान है कि 2050 तक मेटाबॉलिक डिसफंक्शन-एसोसिएटेड स्टीयोटिक लिवर डिजीज से 18 करोड़ लोग प्रभावित होंगे जो 2023 की तुलना में 42 प्रतिशत की वृद्धि दिखाते हैं।

सरकार ने मंत्रालय की सुरक्षा व्यवस्था को अपेक्ष कवच देने का फैसला किया है। अब मंत्रालय के मुख्य द्वारों पर पुलिस की सबसे घातक टुकड़ी एलीट गार्ड के कमांडो तैनात कर दिए गए हैं। मंत्रालय के मुख्य प्रवेश द्वार और गार्डन गेट पर तैनात ये कमांडो किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। आंखों पर काला चश्मा, हाथ में एंके-47 जैसे अत्याधुनिक हथियार और ट्रिगर पर उंगली ये इनकी पहचान है।

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई स्थित महाराष्ट्र का प्रशासनिक केंद्र, मंत्रालय अब और भी अधिक सुरक्षित और चौकस हो गया है। संभावित आतंकवादी खतरों और सुरक्षा एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद, राज्य सरकार ने मंत्रालय की सुरक्षा व्यवस्था को अपेक्ष कवच देने का फैसला किया है। अब मंत्रालय के मुख्य द्वारों पर पुलिस की सबसे घातक टुकड़ी एलीट गार्ड के कमांडो तैनात कर दिए गए हैं। मंत्रालय के मुख्य प्रवेश द्वार और गार्डन गेट पर तैनात ये कमांडो किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। आंखों पर काला चश्मा, हाथ में एंके-47 जैसे अत्याधुनिक हथियार और ट्रिगर पर उंगली ये इनकी पहचान है।

मंत्रालय को मिला ट्रिपल सुरक्षा कवच

मुंबई में संवेदनशील ठिकानों पर बढ़ते खतरे को देखते हुए प्रशासन ने मंत्रालय की सुरक्षा को तीन स्तरों में बांट दिया है। अब मंत्रालय के भीतर और बाहर हर सदिग्ध हलचल पर ये प्रशिक्षित कमांडो नजर रख रहे हैं। सुरक्षा कारणां से अब एलीट पुलिस फोर्स को यहां स्थायी रूप से तैनात कर दिया गया है।

ठाणे को मिलेगी सुपर स्पेशियलिटी सौगात

900 बेड, छत पर हेलीपैड और आधुनिक सुविधाएं

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे वासियों को बड़ी खुशखबरी दी है। ठाणे के तेम्भी नाका क्षेत्र में बन रहा नया 900 बिस्तरों वाला सिविल अस्पताल अब अपने अंतिम चरण में है। उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की कि यह अस्पताल न केवल ठाणे बल्कि पड़ोसी जिले पालघर के नागरिकों के लिए भी 'वरदान' साबित होगा।

ठाणे के अस्पताल की आधुनिक विशेषताएं

ठाणे शहर के तेम्भी नाका क्षेत्र में बन रहा यह अस्पताल किसी प्राइवेट सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल से कम नहीं होगा। 10 मंजिला इस इमारत की सबसे बड़ी खासियत इसकी छत पर बना हेलीपैड है। यह सुविधा एयर एम्बुलेंस के जरिए गंभीर मरीजों को कम समय में एयरलिफ्ट करने और आंग प्रत्यारोपण जैसी आपातकालीन स्थितियों में मील का पत्थर साबित होगी।

कब से शुरू होगा अस्पताल?

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्पष्ट किया कि विद्युतीकरण और उपकरणों की टेंडरिंग का काम अगले 3 से 4 महीनों में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। शिंदे ने कहा कि हमारा लक्ष्य आम आदमी को बिना किसी आर्थिक बोझ के सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। ठाणे का यह नया सिविल अस्पताल गुगुवतापूर उपचार वाहने वाले नागरिकों के लिए एक नया अध्याय लिखेगा। इस अस्पताल के शुरू होने से मुंबई के अस्पतालों पर से बोझ कम होगा और ठाणे-पालघर बेल्ट के लाखों लोगों को स्थानीय स्तर पर ही उच्च स्तरीय इलाज मिल सकेगा।

बीड़ में आवारा कुत्ते का हमला, 40 घायल

दो घंटे में कई इलाकों में काटने की घटनाएं, अस्पताल में लगी भीड़

हिंदमाता नेटवर्क @ बीड़

बीड़ जिले के काड़ज कस्बे में एक आवारा कुत्ते के अचानक हमलावर हो जाने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। महज दो घंटे के भीतर कुत्ते ने करीब 40 लोगों को काट लिया, जिससे कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में भय और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना सोमवार को हुई, जब कुत्ते ने मंगलवर पेट, अजीजपुरा, भीमनगर और रोजा मोहल्ला सहित कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुत्ता अचानक राह चलते लोगों पर झपट पड़ता था, जिससे लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे।

अस्पताल में इलाज के लिए भीड़

घटना के तुरंत बाद बड़ी संख्या में घायल लोग काड़ज उप-जिला अस्पताल पहुंचे। यहां एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए लोगों की लंबी कतारें लग गईं। संक्रमण के खतरे को देखते हुए सभी पीड़ित जल्द से जल्द उपचार कराने के लिए अस्पताल में उमड़ पड़े।

स्थानीय निवासियों की सख्त कार्रवाई की मांग

लगातार हो रही घटनाओं से स्थानीय निवासियों और दुकानदारों में नाराजगी बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि आक्रमक स्वभाव वाले कुत्तों के लिए अलग नीति अपनाई जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से ऐसे कुत्तों को हटाने, निगरानी बढ़ाने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

ठाणे में महिला से 12.5 लाख की ठगी

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिले से धोखाधड़ी का एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक जालसाज ने खुद को बड़ा सरकारी अधिकारी बताकर एक मां की बालेनाओं और उसके बेटे के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। आरोपी ने महिला को झांसा दिया कि वह भारतीय राजस्व सेवा का एक वरिष्ठ अधिकारी है और उसकी पहुंच सरकार के ऊंचे गलियारों तक है।

पड़ोसी बनकर जीता भरोसा

घटना ठाणे के दिवा इलाके की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पीड़ित महिला के ही हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में रहता था। पड़ोसी होने के नाते उसने महिला से जान-पहचान बढ़ाई और दावा किया कि उसके विभिन्न सरकारी विभागों में गहरे संपर्क हैं। जब उसे पता चला कि महिला का बेटा आईआईटी मुंबई में दाखिला चाहता है, तो उसने इसे अपना हथियार बना लिया।

हिंदमाता एंकर: 400 मेगावाट का बनेगा स्टेशन, कैबिनेट ने दी मंजूरी, जानें पूरा प्लान

टाटा पावर की एंट्री से चमकेगा बदलापुर!

हिंदमाता संवाददाता @ बदलापुर

बदलापुर शहर में महावितरण के अलावा अब आने वाले दिनों में टाटा पावर के माध्यम से बिजली आपूर्ति होगी। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कुलगांव बदलापुर नगर परिषद के कात्रप स्थित खेल परिसर के भूखंड में से 4 एकड़ भूमि टाटा पावर कंपनी को देने के आरक्षण में बदलाव को मंजूरी दे दी गई है। इससे टाटा पावर कंपनी बदलापुरवासियों की बिजली की बढ़ती मांग को पूरा कर सकेगी और भविष्य में बदलापुरवासियों को बिजली संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय विधायक किसन कथोरे ने राज्य मंत्रिमंडल के इस निर्णय के लिए बदलापुर वासियों की ओर से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, शहरी विकास मंत्री और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त किया है।

एआईएमआईएम की पार्षद सहर शेख की बढ़ी मुश्किलें

● फर्जी दस्तावेज जमा करने के आरोप में दर्ज होगा केस

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिले में मुंब्रा से एआईएमआईएम और 'कैसा हरया' फेम पार्षद सहर शेख की मुश्किलें बढ़ती हुई दिख रही हैं। ठाणे के तहसीलदार ने सहर शेख और उनके पिता युनुस शेख के खिलाफ फर्जी दस्तावेज जमा करके सरकार को गुमराह करने के आरोप में मामला दर्ज करने का आदेश जारी किया है। इस मामले में सिद्दीकी फरहा शबाब अहमद ने शिकायत दर्ज कराई थी। एमआईएम की कॉर्पोरेटर सहर शेख पर सरकारी एजेंसियों को गुमराह करने का आरोप लगा है। यह खुलासा हुआ है कि उन्होंने अधिकारियों को गुमराह करके महाराष्ट्र में एक फर्जी जाति प्रमाण पत्र हासिल किया था।

सत्यापन के लिए दर्ज कराई थी शिकायत

सिद्दीकी फरहा शबाब अहमद ने ठाणे उपमंडल अधिकारी के कार्यालय में युनुस शेख के जाति प्रमाण पत्र के सत्यापन के लिए शिकायत दर्ज कराई थी। युनुस ने अधिकारियों को गुमराह करते हुए फॉर्म-8 का इस्तेमाल किया, जबकि प्रवासियों के लिए फॉर्म-10 लागू था। फर्जी प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया था। इसी आधार पर सहर ने मुंबई नगर कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जाति प्रमाण पत्र की जांच के बाद निरीक्षण की मांग की थी। ठाणे तहसीलदार को मिली शिकायत के अनुसार, युनुस 18 मार्च को हुई

उल्हासनगर में पानी के मीटर चोरी से हड़कंप

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

शहर में घरों के बाहर लगाए जा रहे पानी के मीटरों की चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे नागरिकों में चिंता का माहौल है। आए दिन मीटर गायब होने की शिकायतें सामने आ रही हैं, वहीं कई जगहों पर पाइप काटकर मीटर चुरा लिए जा रहे हैं, जिससे पानी की बर्बादी भी हो रही है। जलापूर्ति विभाग के अनुसार, पानी की बचत के उद्देश्य से मीटर लगाए जा रहे हैं, लेकिन बिना सुरक्षा व्यवस्था के लगाए गए मीटर चोरों के आसान निशाने बन गए हैं। नशेड़ी और स्थानीय चोर प्लास्टिक पाइप काटकर मीटर चोरी कर रहे हैं। हाल ही में कमला नेहरू नगर क्षेत्र में रहने वाले रामचंद्र सिद्ध जाधव और देवनाथ किमवार के घरों के बाहर लगे मीटर देर रात चोरी हो गए। सुबह उठने पर मीटर गायब मिले और पाइप से पानी बहता रहा। इस संबंध में पीड़ितों ने जलापूर्ति विभाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जलापूर्ति विभाग प्रमुख विजय मंगलानी ने स्पष्ट किया है कि मीटर चोरी होने पर उपभोक्ताओं को पहले स्थानीय पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करनी होगी। शिकायत की प्रति के साथ विभाग में आवेदन देने के बाद ही नए मीटर देने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से मीटर को सुरक्षित स्थान पर लगाने और किसी भी समस्या की लिखित शिकायत करने की अपील की है।

उल्हासनगर नगर निगम में महिला नेतृत्व का बढ़ता दबदबा

9 में से 7 पदों पर महिला उम्मीदवारों का वर्चस्व

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर नगर निगम में महापौर अश्विनी कमलेश निकम के कार्यभार संभालने के दो महीने बाद स्थायी समिति समेत नौ विशेष समितियों के अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया बुधवार को पूरी हो गई। इस बार के चुनावों में महिला नेतृत्व का प्रभाव साफ तौर पर दिखाई दिया, जहां कुल 9 में से 7 समितियों पर महिलाओं का वर्चस्व कायम रहा। समिति अध्यक्ष पदों के लिए हुए नामांकन में 7 पदों पर महिला उम्मीदवारों ने दावेदारी पेश की, जबकि शेष 2 पदों पर पुरुष उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। सभी पदों पर केवल एक-एक नामांकन मिलने के कारण चुनाव निर्विरोध होना तय माना जा रहा है। राजनीतिक बंटवारे में शिवसेना (शिंदे समूह) को स्थायी समिति सहित कुल 5 समितियां मिली हैं। स्थायी समिति के अध्यक्ष पद के लिए कुलवर्त सह सोहता ने आवेदन दिया है। वहीं, दीपि नवीन दुधानी (कूल निर्माण), सविता तोर्ने रागडे (स्वास्थ्य), प्रेरणा अजीत मखोजानी (राजस्व), मीना सोडे (महिला व बाल कल्याण) और साक्षी सर्वे (शिक्षा) ने अपने-अपने पदों के लिए नामांकन दाखिल किया है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी को 4 समितियां मिली हैं। इनमें मीना कौर लबाना (योजना एवं विकास), दीपा नारायण पंजाबी (जल आपूर्ति), प्रफुल्ला मायकर (झुग्गी-झोपड़ी उन्मूलन) और प्रीति विनोद मखोजा (खेल) शामिल हैं। सभी पदों पर एकमात्र आवेदन मिलने से चयन की प्रक्रिया औपचारिक रह गई है। समिति अध्यक्षों की आधिकारिक घोषणा 20 अप्रैल को की जाएगी।

रिश्तों का सबसे खतरनाक रूप!

थाने के गेट पर ही ससुराल वाले बरसाने लगे चाकू बहू और उसका भाई मौत के मुंह में

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण शहर में रिश्तों पर से भरोसा तोड़ने और कांटे की तरह चुभने वाली एक घटना सामने आई है। तलाक के झगड़े से गुस्साए ससुराल पक्ष के लोगों ने पुलिस थाने के बाहर ही बहू और उसके भाई पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में तनवीर खान की पत्नी रुखसार खान गंभीर रूप से घायल हो गईं।

शिकायत दर्ज कराने गई पत्नी पर चाकू-पत्थरों से हमला

यह घटना कल्याण के वालघुनी क्षेत्र में हुई, जहां अशोक नगर में रह रहे पति-पत्नी के बीच चल रहे झगड़े की वजह से हालात बिगड़ गए थे। झगड़ा इतना बढ़ गया कि रुखसार अपने भाई के साथ महात्मा फुले पुलिस स्टेशन नजदीक आरपी (28), सहाम खान (30), फरीद खान (50) और शबनम शेख के खिलाफ धारा 326 के तहत मामला दर्ज किया गया है और पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरे फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

आदतन अपराधी है तनवीर

पुलिस ने बताया है कि मुख्य आरोपी पति आदतन अपराधी है। इस घटना से इलाके में डर का माहौल बन गया है और लोग पुलिस स्टेशन के बाहर हुई इस घटना पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। पुलिस ने धारा 326 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

हिंदमाता संवाददाता @ पनवेल

एयर क्वालिटी सुधारने के लिए पनवेल मनपा ने जो 'एयरबीन' सिस्टम लगाया है, उससे ट्रैफिक सेफ्टी का मामला खड़ा हो गया है। सिग्नल ही कवर हो रहा है, इसलिए वाहन रोडघाती सिग्नल पर लगे इस सिस्टम से चालकों में नाराजगी दिखाई देने लगी है, पर्यावरण को बचाने के मकसद से लगाई गई यह स्क्रीन प्लानिंग की कमी की वजह से विवादों में आ गई है। शहर में बढ़ते प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए मनपा के पर्यावरण विभाग ने कुल 10 जगहों पर 'एयरबीन' एयर प्यूरिफिकेशन सिस्टम लगाने का फैसला किया था। हर सिस्टम पर करीब 94 लाख 23 हजार रुपए खर्च हुए हैं और कुल 9 करोड़ 42 लाख रुपए का प्रोजेक्ट शुरू हुआ है। यह सिस्टम हवा से धूल के कण और कार्बन खींचकर उन्हें पानी से प्रोसेस करता है। इसके लिए पांच हजार लीटर पेरिसिटि वाला एक टैंक लगाया गया है और रोजाना करीब चार सौ लीटर पानी इस्तेमाल होगा।

हिंदमाता संवाददाता @ पनवेल

बिजली कटौती की परेशानी होगी दूर

हालांकि टाटा पावर कंपनी सीधे उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति नहीं करेगी, लेकिन बदलापुर में महापरेशन की बजाय टाटा पावर कंपनी द्वारा महावितरण को बिजली की आपूर्ति किए जाने से, यह बिजली आपूर्ति निर्बाध और प्रचुर मात्रा में होगी। विधायक किसन कथोरे ने विश्वास व्यक्त किया कि टाटा पावर से बिजली मिलने से बदलापुर के नागरिकों को बिजली की समस्या के कारण होने वाली परेशानियों को समाप्त करने में काफी मदद मिलेगी।

400 मेगावाट बिजली के लिए बनेगा बड़ा रिविचिंग स्टेशन

इसके साथ ही बदलापुर शहर की बढ़ती बिजली मांग को देखते हुए, विधायक किसन कथोरे ने बताया कि बदलापुर शहर को 400 मेगावाट तक बिजली की आपूर्ति करने के लिए एक बड़ा रिविचिंग स्टेशन बनाया जाएगा। वर्तमान में बदलापुर शहर को महावितरण द्वारा बिजली की आपूर्ति की जाती है। हालांकि बदलापुर में बिजली की मांग बहुत अधिक है, खासकर गर्मियों में, बिजली की मांग महावितरण के कुल बुनियादी ढांचे से डेढ़ गुना से भी अधिक बढ़ जाती है। इसके कारण रात के समय बिजली आपूर्ति में रुकावटें कई गुना बढ़ गई हैं। साथ ही यदि एक रिविचिंग स्टेशन से बिजली आपूर्ति बाधित होती है, तो दूसरे रिविचिंग स्टेशन पर भार बढ़ जाता है, जिससे अन्य क्षेत्रों के नागरिक भी प्रभावित होते हैं। कंपनी के अधिकारियों ने दावा किया है कि टाटा पावर कंपनी द्वारा बिजली की आपूर्ति के बाद इन सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

शॉर्ट स्टोरी

आशले पाड़ा में बुद्ध विहार का लोकार्पण

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण पूर्व के आशले पाड़ा में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर पंखशील बुद्ध विहार की नई इमारत का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर शिवसेना के नगरसेवक एवं संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड ने रिबन काटकर नई इमारत का उद्घाटन किया। स्थानीय नागरिकों की मांग को ध्यान में रखते हुए सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने बुद्ध विहार के निर्माण का आश्वासन दिया था। इस वादे को पूरा करते हुए सांसद निधि से लगभग 70 लाख रुपए की लागत से नई इमारत की निर्माण कराया गया है। लोकार्पण कार्यक्रम में नगरसेवक मधुर म्हात्रे सहित बड़ी संख्या में बाबासाहेब के अनुयायी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और शिवसेना के प्रति आभार व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नई इमारत बनने से क्षेत्र में सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों के आयोजन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे समुदाय को बड़ा लाभ मिलेगा।

बिजली कटौती पर भड़के विधायक किणीकर

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

अंबरनाथ और उल्हासनगर में लगातार बढ़ रही बिजली समस्याओं को लेकर विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने महावितरण अधिकारियों पर नाराजगी जताई। उनकी पहल पर कल्याण स्थित 'तेजश्री' बिल्डिंग में महावितरण के मुख्य अभियंता चिंतामणि मिश्रा के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में उल्हासनगर-4 क्षेत्र में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर हुई बिजली आपूर्ति बाधित होने की घटना प्रमुख रही। शाम 8 बजे अचानक बिजली गुल होने से कार्यक्रम में पहुंचे अनुयायियों में आक्रोश फैल गया था। विधायक किणीकर ने अधिकारियों से सवाल किया कि जब बिजली बहाल होने में 7-8 घंटे लगने थे, तो पहले से तैयारी क्यों नहीं की गई। मामले में महावितरण ने कार्यकारी अभियंता वकोले को छुड़ी पर भेज दिया है। विधायक ने शहर में बार-बार हो रही बिजली कटौती पर कड़ी आपत्ति जताते हुए खराब ट्रांसफॉर्मर, बिजली के खंभों और जर्जर तारों को तत्काल बदलने की मांग की। साथ ही नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि बिजली बाधित होने से पानी आपूर्ति प्रभावित न हो, इसके लिए संबंधित विभाग समन्वय बनाए रखें। लगातार कटौती से छोटे उद्योग और मजदूरों को हो रही परेशानी दूर करने पर भी जोर दिया गया।

भायंदर में खेल परिसर का उद्घाटन

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

भायंदर पश्चिम में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पी.पी.जी. जेनाचार्य श्री विजय अभयदेव सूरिश्वरजी एम.सा. खेल परिसर और सभागार भवन का उद्घाटन बुधवार सुबह विधायक नरेंद्र मेहता ने महापौर डिंपल मेहता की अध्यक्षता में किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त राधाबिंदो शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि इस नए खेल परिसर से क्षेत्र के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इससे पहले शहर में खिलाड़ियों के लिए केवल एक ही खेल परिसर उपलब्ध था। वर्ष 2018 में इस परियोजना की योजना बनाई गई थी और 2019 में निर्माण कार्य शुरू हुआ था, जो अब पूरा होकर जनता के लिए खुल गया है। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मार्ग स्थित इस चार मंजिला इमारत का क्षेत्रफल 3482.50 वर्ग मीटर है और इसके निर्माण पर करीब 42 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। परिसर में सभागार, पुस्तकालय, जिम, टेबल टेनिस, कैरम, स्वेडिश, कबड्डी, ताइक्वांडो और बॉक्सिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अधिकारियों के अनुसार भविष्य में यहां बेडमिंटन कोर्ट, फिलबॉल और स्विमिंग पूल विकसित करने की योजना भी है, जिससे खिलाड़ियों को और बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

नालों की गंदगी पर भड़के नगरसेवक

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण पूर्व में नालों की खराब स्थिति को लेकर नगरसेवकों ने पालिका प्रशासन पर नाराजगी जताई है। शिवसेना के संपर्क प्रमुख व स्थायी समिति सदस्य महेश गायकवाड ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ वालघुनी और खडगेवातली बड़े नाले का निरीक्षण किया। इस दौरान नालों में भारी मात्रा में गंदगी और मिट्टी जमा मिलने से पानी का बहाव बाधित पाया गया। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि कई स्थानों पर विकासकों द्वारा नालों में अनधिकृत भराव किया गया है, जिससे उनकी क्षमता कम हो गई है और मानसून के दौरान जलभराव का खतरा बढ़ गया है। इस स्थिति को देखते हुए नगरसेवकों ने प्रशासन को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। महेश गायकवाड के साथ नगरसेवक पप्पू पिंगले, मधुर म्हात्रे और नगरसेविका माया कांढले ने मांग की कि मानसून से पहले सभी नालों की व्यवस्थित सफाई कराई जाए। साथ ही अनधिकृत भराव करने वाले विकासकों पर सख्त कार्रवाई कर अपराध दृष्टाया जाए। पालिका प्रशासन ने मामले को गंभीर बताते हुए जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि अब यह देखना होगा कि काम कितनी तेजी और प्रभावी तरीके से किया जाता है।

जेएनपीए की बर्दों रफ्तार, युद्ध के बावजूद नहीं रुकी सप्लाई चेन

भारत के सबसे बड़े पोर्ट ने रचा इतिहास

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

भारत के सबसे बड़े कंटेनर पोर्ट, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण ने मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक व्यवधानों के बावजूद प्रमुख प्रदर्शन मानकों को बनाए रखते हुए उल्लेखनीय परिचालन प्रदर्शित किया है। ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति चेन में अभी भी अनिश्चितता का सामना कर रही हैं, जेएनपीए ने सक्रिय योजना, संसाधनों के कुशल उपयोग और हितधारकों के साथ घनिष्ठ समन्वय के माध्यम से पोर्ट प्रचलन को सुचारु बनाए रखा है। जेएनपीए में आयात कंटेनरों का ड्वेल टाइम उल्लेखनीय रूप से बेहतर हुआ है, जो फरवरी 2026 के 25.17 घंटे से घटकर मार्च 2026 में 22.68 घंटे रह गया। यह माल निकासी की बढ़ी हुई दक्षता और सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं को दर्शाता है।

डायरेक्ट पोर्ट डिलीवरी से मिला फायदा

डायरेक्ट पोर्ट डिलीवरी (डीपीटी) और डायरेक्ट पोर्ट एंट्री (डीपीई) जैसे दक्षता-आधारित प्रमुख फल मजबूत प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान डीपीटी 74.57 प्रतिशत और डीपीई 45.74 प्रतिशत पर रहा, जिससे माल की तेज आवाजाही और भूइंफ्रास्ट्रक्चर में कमी सुनिश्चित हुई। औसत घूमाव समय 22.61 घंटे रहा, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी पोर्टों के कुशल प्रचलन को बनाए रखने की जेएनपीए की क्षमता को दर्शाता है।

निर्यात कंटेनरों में भंडारण

ट्रांसशिपमेंट कंटेनरों के आने जाने में उल्लेखनीय वृद्धि होने के बावजूद, जिसमें मात्रा 5 प्रतिशत से बढ़कर 16 प्रतिशत हो गई है, जेएनपीए ने परिवालन दक्षता को बनाए रखा है। जेएनपीटी पर पर्याप्त भंडारण क्षमता भी उपलब्ध है, जहां वर्तमान में कंटेनर रखने की कुल क्षमता का केवल लगभग 50 प्रतिशत ही उपयोग में है। निर्यात कंटेनरों के भंडारण के लिए पतन परिसर में अतिरिक्त 9.2 एकड़ क्षेत्र आवंटित किया गया है। साथ ही, रीफर कंटेनरों की उपयोग दर भी लगभग 50 प्रतिशत पर बनी हुई है। जेएनपीए ने सक्रिय रूप से कदम उठाते हुए एक समर्पित टारक फोर्स का गठन किया है, साथ ही रैमिनल प्रचालकों और अन्य हितधारकों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखा है।

ईरान को हथियार सप्लाई नहीं करेगा चीन: डोनाल्ड ट्रंप

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को चीन को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि चीन ईरान को हथियार सप्लाई नहीं करने पर सहमत हो गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह मुद्दा चीन के सामने उठाया था, जिस पर उन्हें भरोसा मिला है। ट्रंप का कहना है कि कुछ हफ्तों में जब वह चीन जाएंगे तो राष्ट्रपति शी जिनिंग्ग उन्हें गले लगा लेंगे। 'ट्रुथ सोशल' प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा कि बीजिंग होमरुज स्ट्रेट को खुला रखने की उनकी कोशिशों का समर्थन कर रहा है।



■ इसके अलावा, ट्रंप ने फॉक्स बिजनेस नेटवर्क के कार्यक्रम मॉनिंग्स विद मारिया में कहा कि अमेरिका एक घंटे के भीतर ईरान के सभी पुलों और बिजली संयंत्रों को तबाह कर सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और ईरान के बीच कुछ दिन पहले पाकिस्तान के इस्लामाबाद में हुई अहम

■ ट्रंप ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया कि चीन बहुत खुश है कि मैं होमरुज को हमेशा के लिए खोल रहा हूँ। मैं यह उनके लिए भी कर रहा हूँ और पूरी दुनिया के लिए भी। ऐसी स्थिति फिर कभी नहीं आएगी। वे ईरान को हथियार न भेजने पर सहमत हो गए हैं। जब मैं कुछ हफ्तों में वहां जाऊंगा, तो राष्ट्रपति शी मुझे गले लगाएंगे। हम मिलकर समझदारी से और बहुत अच्छे से काम कर रहे हैं। क्या यह लड़ने से बेहतर नहीं है? लेकिन याद रखना, अगर जरूरत पड़ी तो हम लड़ने में भी बहुत माहिर हैं, किसी और से कहीं ज्यादा बेहतर।

शांति वार्ता विफल हो गई, जिसके बाद फिर से वार्ता का नया दौर शुरू होने की उम्मीद है। ईरान व अमेरिका के बीच पिछले डेढ़ महीने से युद्ध चल रहा है। हालांकि, अभी दो हफ्ते का सीजफायर है, जिसकी वजह से दोनों तरफ से बड़े हमले रुके हुए हैं।

■ रिपोर्ट्स में सामने आया था कि चीन ईरान को हथियार देकर इस युद्ध में मदद कर रहा है। बीजिंग एयर डिफेंस सिस्टम पहुंचाने की योजनाओं पर काम कर रहा था - जिसमें MANPADs के नाम से जानी जाने वाली कंधे से दगी जाने वाली एंटी-एयर मिसाइलें भी शामिल हैं। इन्हें

संभवतः किसी तीसरे देशों के रास्ते भेजा जा सकता था। हालिया संघर्ष के दौरान ईरान ने मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों की निगरानी करने और उन्हें निशाना बनाने के लिए चीन निर्मित एक जासूसी उपग्रह का इस्तेमाल किया। हालांकि, चीन ने इससे इनकार किया है। चीन के विदेश मंत्रालय

के प्रवक्ता ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि ईरान को सैन्य सहायता देने का चीन पर आरोप लगाने वाली मीडिया रिपोर्ट पूरी तरह से मनगढ़ंत हैं। यदि अमेरिका इन आरोपों के आधार पर चीन पर टैरिफ बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ता है, तो चीन जवाबी कदम उठाएगा।

ईरान में इजराइली जासूसी नेटवर्क ट्रैप, 35 ‘मोसाद एजेंट’ गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान ने एक बड़े सुरक्षा अभियान में 35 लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है, जिन्हें 'विदेशी एजेंसियों से जुड़ा' बताया जा रहा है। इन संदिग्धों पर जासूसी, हथियार तस्करी और अलगाववादी संगठनों से जुड़े होने के आरोप हैं। ईरान के खुफिया मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई देश के छह अलग-अलग प्रांतों में की गई। इस ऑपरेशन का उद्देश्य एक साथ कई तरह के 'राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों' को खत्म करना था। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरफ्तार किए गए कुछ लोग इजराइली खुफिया एजेंसी Mossad से जुड़े हो सकते हैं। यह दावा ऐसे समय पर सामने आया है जब हाल ही में मोसाद प्रमुख David Barnea ने खुलकर कहा था कि उनकी एजेंसी ने तेहरान के 'दिल' में ऑपरेशन चलाए थे।



■ बर्निया ने कहा कि उनकी एजेंसी ने सैन्य कार्रवाई के दौरान अहम खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी, जिसके आधार पर मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया गया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ये ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुए हैं।

बर्निया ने साफ कहा कि उनका मिशन केवल सैन्य हमलों तक सीमित नहीं है, बल्कि लंबे समय तक जारी रहेगा। उन्होंने यह भी शारा किया कि उनकी रणनीति का लक्ष्य ईरान की मौजूदा व्यवस्था को बदलना है।

होमरुज पार कर गया ईरान का ब्लैकलिस्ट तेल टैंकर



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका द्वारा ब्लैकलिस्ट एक विशाल कूड ऑयल टैंकर अमेरिकी नाकेबंदी के बावजूद Strait of Hormuz को पार कर सुरक्षित ईरान के तट तक पहुंच गया। ईरान के इस दावे ने अमेरिका की समुद्री रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत में मुंबई स्थित ईरानी महावाणिज्य दूतावास के अनुसार 'वेरी लाज कूड कैरियर (VLCC)' अपनी पूरी यात्रा के दौरान ट्रैकिंग सिस्टम चालू रखे हुए था। ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि जहाज ने अपनी लोकेशन छिपाने की कोई कोशिश नहीं की और खुलेआम अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र से होकर गुजरा।

■ यह सुपरटैंकर लगभग 20 लाख बैरल तक कच्चा तेल ले जाने में सक्षम है। इसके बावजूद अमेरिकी नाकेबंदी इसे रोकने में असफल रही और जहाज बिना किसी नुकसान के अपने गंतव्य तक पहुंच गया। इससे पहले अमेरिका ने दावा किया था कि उसने होमरुज जलडमरूमध्य में कड़ी नाकेबंदी लागू कर दी है। इसके तहत ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों को रोक जाएगा। इन जहाजों में वो जहाज भी शामिल हैं जिन्होंने ईरान को किसी प्रकार का शुल्क (टोल) दिया है। अमेरिका का कहना था कि इस नाकेबंदी के जरिए वह ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाना चाहता है, क्योंकि ईरान का लगभग 90% अंतरराष्ट्रीय व्यापार समुद्री मार्गों से होता है। ईरान के इस दावे से यह सवाल उठने लगा है कि क्या अमेरिकी नाकेबंदी पूरी तरह प्रभावी है या उसमें खामियां हैं। अगर एक ब्लैकलिस्टेड जहाज खुले तौर पर इस मार्ग से गुजर सकता है, तो यह अमेरिका की रणनीतिक पकड़ पर बड़ा सवाल है।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान को किया 3 अरब डॉलर मदद देने का वादा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सऊदी अरब ने पाकिस्तान को तीन अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त आर्थिक सहायता देने का वादा किया है। इसी के साथ मौजूदा पांच अरब अमेरिकी डॉलर के कर्ज के पुनर्भुगतान की मियाद भी और तीन साल के लिए बढ़ा दी है। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी। पाकिस्तान को यह मदद ऐसे समय में मिली है जब वह इस महीने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) को 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर चुकाने की तैयारी कर रहा है, जिसकी वजह से उसके विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ गया है। वॉशिंगटन में पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद आसिफ जेव ने कहा कि सऊदी अरब ने पाकिस्तान के बैंक में अतिरिक्त तीन अरब अमेरिकी डॉलर जमा करने का वादा किया है और अपनी मौजूदा पांच अरब अमेरिकी डॉलर की सुविधा को अगले तीन वर्षों के लिए बढ़ा दिया है।

■ उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में सऊदी अरब द्वारा जमा कराए गए पांच अरब अमेरिकी डॉलर की रकम अब पिछली वार्षिक वापसी व्यवस्था के अधीन नहीं होगी और इसके बजाय इसे लंबी अवधि के लिए बढ़ाया जाएगा। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के 15-18 अप्रैल तक सऊदी अरब, कतर और तुर्किये की आधिकारिक यात्रा करने वाले हैं। जियो न्यूज ने विश्व बैंक-विश्व मुद्रा कोष (आईएमएफ) की इस साल हुई बैठक के मौके पर वॉशिंगटन में की गई बातचीत के हवाले से खबर दी कि नवीनम सऊदी मदद पाकिस्तान की बाहरी कर्जों के भुगतान के अहम समय में आया है और विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने और बाहरी खाते को मजबूत करने में मदद करेगा। आईएमएफ ने शर्त लगाई है कि पाकिस्तान के तीन प्रमुख द्विपक्षीय ऋणदाताओं - सऊदी अरब, चीन और यूएई को मौजूदा तीन साल के कार्यक्रम के पूरा होने तक देश के साथ अपनी नकद जमा राशि बनाए रखनी होगी।



हिंदमाता एंकरः ईडी अधिकारियों पर एससी-एसटी केस

झारखंड सीएम हेमंत सोरेन पर हाई कोर्ट ने लगाया 1000 रुपये का जुर्माना

हिंदमाता नेटवर्क @ रांची

झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस एंके चौधरी की अदालत में ईडी अधिकारियों पर एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग वाली याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी हेमंत सोरेन की ओर से जवाब दायित्व करने के लिए समय की मांग की गई। जिसके बाद अदालत ने उनपर एक हजार का जुर्माना लगाते हुए जवाब दायित्व करने की अनुमति प्रदान की है। अदालत ने कहा कि उक्त राशि झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार (झासवा) में जमा की जाए। मामले में अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।



■ इस संबंध में ईडी के तत्कालीन अधिकारी कपिल राज, देवव्रत झा सहित अन्य की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दायित्व कर हेमंत सोरेन की ओर से एससी-एसटी के तहत दर्ज कराई गई प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग की गई है। हेमंत सोरेन ने रांची के एससी-एसटी थाने में ईडी के अधिकारी कपिल राज, देवव्रत झा, अनुपम कुमार, अमन पटेल व अन्य अज्ञात के विरुद्ध 31 जनवरी को एससी-एसटी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

■ हेमंत सोरेन ने कहा था कि ईडी के अधिकारियों ने उन्हें 29 से 31 जनवरी तक रांची में रहने के लिए कहा था। इसी बीच उनके दिल्ली स्थित आवास पर उनकी अनुपस्थिति में बिना किसी पूर्व सूचना के छापाकारी की गई। हेमंत सोरेन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि केन्द्रीय जांच एजेंसी के इस झूठे, बनावटी कृत्य से वह मानसिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित हुए हैं। ईडी ने मीडिया में भ्रम फैलाने का काम किया है। उन्हें जनता के बीच बदनाम करने की कोशिश की गई है।

परिसीमन आयोग
भाजपा को बहुमत
पाने के लिए एक
हथियार : जयराम रमेश



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

महिला आरक्षण संविधान संशोधन बिल को लेकर सियासत तेज हो गई है। इसे लेकर जहां भाजपा फायदे मिला रही है तो वहीं मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस इसे लेकर भाजपा पर हमला वार है। इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश ने बिल को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव प्रचार के बीच ये बिल लाया जाता है और बड़े गलत तरीके से महिला आरक्षण और परिसीमन को जोड़ा जाता है और एक ही संविधान संशोधन बिल है जिसमें परिसीमन का प्रावधान है और महिला आरक्षण का प्रावधान है ये परिसीमन बड़ा खतरनाक है जो बार-बार सरकार की ओर से कहा जा रहा है।

■ उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने और अनेक मंत्रियों ने कहा है कि लोकसभा सीटें 50% ज्यादा बढ़ाया जाएगा और उसके साथ-साथ समानुपातिक तरीके से सभी राज्यों की सीटें लोकसभा में बढ़ाई जाएगी। ये कहीं इस विधेयक में शामिल नहीं है। सिर्फ लोकसभा का जिक्र किया गया है जो हर एक राज्य की ताकत होती है जो अनुपात है वो इस बिल के आधार पर घटेगा।

■ कई राज्यों का अनुपात घटेगा... इस परिसीमन में अनुपात नहीं दिखाई दे रहा है जिस तरह परिसीमन आयोग ने असम और जम्मू-कश्मीर में अपना काम किया है वो बिल्कुल साफ हो गया है कि परिसीमन आयोग बीजेपी के हाथ में बहुमत पाने के लिए एक हथियार है... हमारी पार्टियां चाहती है कि एक तिहाई आरक्षण महिलाओं को दिया जाए और 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू किया जाए लेकिन हम परिसीमन प्रावधानों के बिल्कुल खिलाफ है हम इसका समर्थन नहीं कर सकते हैं हम चाहते हैं कि महिला आरक्षण लागू हो।

■ गौरतलब है कि विशेष सत्र में प्रस्तावित बिल लोकसभा सीटों को बढ़ाने का प्रस्ताव है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023, लोकसभा में परिसीमन प्रक्रिया से जुड़ा है, केंद्र सरकार ने सदन में सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रोजेजल है, जिसमें से 815 सीटें स्टेट और शेष 35 केंद्र शासित प्रदेशों के लिए आरक्षित हैं। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। फिलहाल इस बिल को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावार है।

केंद्रीय बलों ने हवाई अड्डा जाते समय मेरी कार की तलाशी लेने की कोशिश: ममता बनर्जी

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को दावा किया कि जब वह दिन में कोलकाता हवाई अड्डा जा रही थीं, तभी केंद्रीय बलों ने उनकी कार की तलाशी लेने की कोशिश की। मुख्यमंत्री से पहले, उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि निर्वाचन आयोग ने उसके नेताओं के वाहनों की 'गहन तलाशी' लेने का आदेश दिया है। बनर्जी ने उत्तर दिनाजपुर जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर केंद्रीय बलों में हिम्मत है, तो वे हर दिन उनकी कार की जांच कर सकते हैं।

लखनऊ में विकास नगर कॉलोनी क्षेत्र में झोपड़ियों में लगी भयंकर आग, दहशत में लोग

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ



कारणों के चलते आग लग गई। आग इतनी विकराल थी की काफी दूर से ही आसमान में उसका धुआं उठता नजर आया। आसपास के लोगों ने सूचना दमकल को दी।

■ मौके पर पहुंचकर दमकल टीम ने आग बुझाने के प्रयास शुरू किए हैं। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। जिस स्थान पर आग लगी है, वहीं पास में वाहनों के कई बड़े शोरूम और होटल हालीडे इन भी है। रिंग रोड, लखनऊ, विकास नगर में मारुति सुजुकी शोरूम के पास झुग्गी झोपड़ी में आग लग गई। बताया जा रहा है कि खाली पड़े प्लाट ऊपर से गए बिजली के तारों में शाट सर्किट से आग एक से कई झोपड़ी झोपड़ी तक पहुंच गई। माना जा रहा है कि झोपड़ियों में गैस सिलिंडर में ब्लास्ट के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

संशोधन बिल की राह में बड़ा अड़ंगा



इंडिया गठबंधन संसद में करेगा विरोध

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली कांग्रेस की अगुवाई वाले विपक्षी गठबंधन ईंडिया अलायंस ने महिला आरक्षण के लिए संसद में आने वाले संशोधन बिल पर अड़ंगा लगा दिया है। गठबंधन ने बुधवार को स्पष्ट किया कि संसद में आने वाले महिला आरक्षण संशोधन बिल का विरोध किया जाएगा, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि गठबंधन महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है बल्कि बिल लाने के तरीके और उसकी टाइमिंग का विरोध कर रहे हैं। गठबंधन के नेताओं ने नई दिल्ली में हुई एक बैठक के बाद यह फैसला लिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जिस तरीके से इस बिल को पेश किया गया है, उसे लेकर पार्टियों को आपत्तियां हैं। बैठक के बाद खरगे ने कहा कि हम महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन विधेयक लाने के सरकार के तरीके का विरोध करते हैं, जो राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने आगे कहा कि हम एकजुट हैं, हमने परिसीमन संबंधी विधेयक का विरोध करने का फैसला किया है। इससे पहले विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं ने खरगे के आवास पर महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों पर साझा रणनीति को लेकर चर्चा की। मल्लिकार्जुन खरगे ने यह बैठक अपने आवास '10 राजाजी मार्ग' पर दोपहर तीन बजे बुलाई थी।

हम सभी महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में हैं

बैठक के बाद खरगे ने संवाददाताओं से कहा कि हम सभी महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में हैं, लेकिन यह जिस तरह से लाया गया है, उसको लेकर आपत्ति है। उन्होंने कहा कि हमने फैसला किया है कि हम इस विधेयक (परिसीमन) का विरोध करेंगे। जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी दल चाहते हैं कि 2029 से महिला आरक्षण लागू

हो, लेकिन वे परिसीमन के प्रावधानों का पूरी तरह विरोध करेंगे। इस बैठक में शामिल विपक्षी दलों ने भी कहा कि वे महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, लेकिन परिसीमन विधेयक का एकजुट होकर विरोध करेंगे। विपक्षी दलों संग बैठक से पहले, कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने इन विधेयकों को लेकर अलग से चर्चा की।

17 अप्रैल को पंजाब में रेल रोको आंदोलन

■ उन्होंने कहा कि जब मैं आज कोलकाता हवाई अड्डा जा रही थी तो केंद्रीय बलों ने मेरी कार की तलाशी लेने की कोशिश की। अगर आपमें हिम्मत है, तो आप हर दिन मेरी कार की जांच करें। तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि केवल उसके नेताओं, विशेष रूप से अभिषेक बनर्जी के वाहन की निर्वाचन आयोग के निर्देशों के आधार पर, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तैनात सुरक्षा कर्मियों द्वारा 'सचन तलाशी' के लिए चुना गया है। सतारुद पार्टी के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने कहा कि इस तरह की गहन जांच के लिए केवल उनकी पार्टी के नेताओं को ही क्यों चुना जा रहा है जबकि अन्य को बख्शा जा रहा है? यह बुनियादी तरीके से निशाना बनाने का एक स्पष्ट मामला है। तृणमूल के आरोपों पर निर्वाचन आयोग की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तैनात सुरक्षा कर्मियों द्वारा 'सचन तलाशी' के लिए चुना गया है। सतारुद पार्टी के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने कहा कि इस तरह की गहन जांच के लिए केवल उनकी पार्टी के नेताओं को ही क्यों चुना जा रहा है जबकि अन्य को बख्शा जा रहा है? यह बुनियादी तरीके से निशाना बनाने का एक स्पष्ट मामला है। तृणमूल के आरोपों पर निर्वाचन आयोग की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

17 अप्रैल को पंजाब में रेल रोको आंदोलन



हिंदमाता नेटवर्क @ चंडीगढ़ पंजाब में गेहूं खरीद में हो रही देरी को लेकर किसानों ने रोष जताया है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और किसान मजदूर मोर्चा (केकेएम) समेत कई किसान संगठनों ने 17 अप्रैल को राज्यभर में दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक 'रेल रोको' आंदोलन का ऐलान किया है। इससे नुकसान और बढ़ने का खतरा बना हुआ है। किसानों का आरोप है कि खरीद में देरी का फायदा उठाकर व्यापारी फसल के दाम कम कर रहे हैं। किसान अपनी रणज औने-पौने दामों पर बेचने को विवश हैं। किसान संगठनों ने मांग की है कि गेहूं की खरीद तुरंत प्रभाव से शुरू की जाए और गुणवत्ता मानकों में ढील दी जाए। बारिश से प्रभावित फसल को भी खरीदा जा सके।

मंडियों में अव्यवस्थाओं को लेकर भी नाराजगी

इसके साथ ही मंडियों में अव्यवस्थाओं को लेकर भी किसानों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि कई मंडियों में बोरियों की कमी है, जबकि छांव, पीने के पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। इससे किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसान नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन उनकी मजबूती है, क्योंकि वे अपनी मेहनत की फसल को बर्बाद होते नहीं देख सकते। उन्होंने राज्य के अन्य संगठनों और आम लोगों से भी इस संघर्ष में समर्थन देने की अपील की है। प्रशासन के लिए यह आंदोलन बड़ी चुनौती बन सकता है, क्योंकि तीन घंटे तक रेल सेवाएं प्रभावित होने की संभावना है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकलता, तो आने वाले दिनों में पंजाब में किसानों का आंदोलन और व्यापक हो सकता है।

किशोर
नेटवर्क @ पटना

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरपुर
बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र में हुई युवक की हत्या का पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस सनसनीखेज वारदात में मृतक के दोस्तों का ही हाथ निभाला है, जिनमें प्रेम संबंध के विवाद में युवक की हत्या कर शव को जला दिया। पटना बैरुआ डी हॉ गॉव की है, जहां 32 साल के बिगन राम का आधा जला शव संदिग्ध हादसे में बरामद हुआ था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और FSL टीम ने जांच शुरू की। मृतक की पत्नी के बयान पर प्राथमिकी उठनी की गई, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बरियारपुर के राम प्रवेश पासावन और पूरण और मनियारी थाना क्षेत्र के शाहपुर मरीच गांव निवासी गोखल पासावन उर्फ जितेंद्र के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मृतक बिगन राम का संबंध राम प्रवेश पासावन की पत्नी से प्रेम संबंध था। इस बात को लेकर पहले भी विवाद हो चुका था और मामला पंचायत तक पहुंचा था, लेकिन संवेध नहीं रही। इसी में नाराज होकर राम प्रवेश ने अपने साथी के साथ मिनक हत्यार की सजिशा रची। योजना के तहत आरोपियों ने बिगन राम को बुलाया और शराब में जहर मिलाकर उसे पिटा दिया। इसके बाद माफीपट्ट कर उसकी हत्या कर दी गई। साक्ष्य छिपाने के लिए शव को पहले मिट्टी में गाड़ दिया गया और बाद में उसे जलाकर दाद संस्कार सौल ष्ठ देनी की कोशिश की गई। हालांकि, जैशाल मीडिया के वारियर हुए एक वीडियो ने पूरे मामले का राज खोल दिया, जिसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

निकट आधुनिक इस मानने से 12 घण्टा का पुराना 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि यह कोई सामान्य गलती नहीं बल्कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का एक सुनियोजित नरैटिव था। प्रियंका भारती, डॉ. नमन यादव और जितेंद्र कुमार दोस जैसे नामकनदार आरोपियों ने इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग कर आतंक और अव्यवस्था फैलाने का प्रयास किया है। पुलिस अब उन सभी कड़ियों को जोड़ रही है जो इस भ्रामक नरैटिव को तैयार करने और लोगों को भड़काने के पीछे शामिल हैं।

स्थिति बनाने की कोशिश की।

करने और लोगों को भड़काने के पीछे शामिल हैं।

रूसी तेल से खत्म की छूट, अब ईरान की बारी!

ट्रंप के कदम से भारत-चीन पर कितना होगा असर

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान
 ईरानी तेल पर अमेरिका की ओर से दी गई छूट इस हफ्ते खत्म होने वाली है। अमेरिकी ट्रेजरी ने पिछले महीने ईरानी तेल पर 30 दिनों की छूट जारी की थी ताकि युद्ध के कारण बढ़ी तेल की कीमतों को रोक़ा जा सके। तेल बाजार में स्थिति अभी सुधरी नहीं है बल्कि तनाव और बढ़ता ही जा रहा है, फिर भी अमेरिका अब ईरानी तेल पर और छूट नहीं देगा। रूसी तेल के बाद अब ईरानी तेल से छूट खत्म करने से इनके खरीददार भारत और चीन पर सबसे अधिक असर होने वाला है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिकी ट्रेजरी की ईरानी तेल पर छूट इस वीकेंड खत्म हो जाएगी। इसके साथ ही अमेरिका ने साफ कर दिया है कि वो ईरान पर दबाव बनाने की अपनी नीति को कायम रखेगा। होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी पहले से ही लागू है। 20 मार्च को लागू की गई 30 दिन की यह छूट ईरान के केवल उस तेल पर थी जो पहले से ही जहाजों पर लदा हुआ था। अमेरिका की तरफ से दी गई यह छूट वैश्विक तेल बाजार को संभालने के लिए अस्थायी राहत थी। यह समयसीमा 19 अप्रैल को खत्म करने का फैसला किया है। जब यह छूट दी गई थी, तब हालात पहले से ही तनावपूर्ण थे। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल का युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था जिसके बाद क्षेत्र में तेल आपूर्ति, खासकर होर्मुज स्ट्रेट के आसपास, प्रभावित हुई थी। तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं और एक समय 50% से ज्यादा ऊपर चली गई थीं। इसे और बढ़ने से रोकने की कोशिश में अमेरिका ने संतुलन बनाने की कोशिश की- एक तरफ ईरान पर दबाव बनाए रखा, दूसरी तरफ बाजार में कुछ तेल की सप्लाई होने दी। ईरानी तेल पर छूट की वजह से समुद्र में मौजूद लगभग 14 करोड़ बैरल तेल बाजार में पहुंचा जिससे तेल बाजार को थोड़ी राहत मिली।



छूट खत्म होने के बाद भारत-चीन पर कैसा होगा असर?

ईरानी तेल पर अमेरिकी छूट खत्म होने से एशिया के दो देशों- भारत और चीन पर सबसे ज्यादा असर होगा। ईरानी तेल पर छूट मिलते ही इन दोनों देशों ने ईरानी तेल की खरीद शुरू कर दी थी। भारत ने अमेरिकी प्रतिबंधों को देखते हुए 2019 के बाद ईरान से तेल खरीद बंद कर दी थी और फिर जब प्रतिबंधों में अस्थायी छूट मिली तब जाकर भारत ने ईरान से दोबारा तेल मंगाया। 30 दिनों के अंतराल में ईरानी तेल से भरने वाले टैंकर भारत पहुंचे हैं। इन दोनों टैंकरों में 20-20 लाख बैरल तेल भरा है। चीन हालांकि, ब्लैक मार्केट के जरिए ईरानी तेल की खरीद जारी रखे हुए था। अब जबकि छूट खत्म हो गई है, भारत अगर ईरानी तेल खरीदता है तो केवल तेल कंपनियों ही नहीं बल्कि पेटेंट से जुड़े बैंक भी प्रतिबंधों की जद में आ सकते हैं। अमेरिका ने साफ़ किया है कि वो 'सेकेंडरी सैंक्शंस' के जरिए अपनी सीमा के बाहर भी कार्रवाई कर सकता है। इसी के साथ ईरानी बंदरगाहों के आसपास नौसैनिक नाकाबंदी पहले से लागू है। अनुमान है कि अगर ईरानी तेल की सप्लाई पूरी तरह बाधित होती है तो वैश्विक बाजार से रोजाना लगभग 20 लाख बैरल तेल कम हो सकता है। भारत और चीन जैसे बड़े खरीदारों को अब ईरानी तेल का विकल्प ढूँढना पड़ सकता है, जिससे रिफाइनरियों और उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ सकती है।

पाकिस्तान के एक सैनिक की कीमत कितनी है? सऊदी अरब ने लगा दी बोली

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद
 सऊदी अरब ने पाकिस्तान की सैनिकों की बोली लगा दी है। दरअसल, ईरान जंग के खतरे को देखते हुए पाकिस्तान ने जैसे ही रियाद में अपने 13 हजार सैनिक भेजे। वैसे ही सऊदी ने इस्लामाबाद के लिए 3 बिलियन डॉलर (2.7 लाख करोड़ रुपए) की राशि जारी कर दी। इसे दोनों देशों के बीच एक समझौते के तौर पर देखा जा रहा है। 2025 में सऊदी ने पाकिस्तान के साथ डिफेंस डील किया था। इस डील से जहां सऊदी की सुरक्षा मजबूत हुई थी। वहीं पाकिस्तान को इससे आर्थिक लाभ मिलने की बात कही गई थी। ब्लूमबर्ग के मुताबिक सऊदी ने 3 बिलियन डॉलर की राशि ऐसे वक़्त में दी है, जब पाकिस्तान ने अपने 13 हजार सैनिक सऊदी की सुरक्षा में लगाए हैं। यही वजह है कि इस पैसो को पाकिस्तान सेना की बोली से जोड़कर देखा जा रहा है। अल अरबिया के मुताबिक पाकिस्तान को एक हफ्ते में अतिरिक्त सहायता की यह राशि दे दी जाएगी। इसके अलावा सऊदी से पाकिस्तान ने पूर्व में जो कर्ज लिया है, उसकी डेडलाइन भी बढ़ा दी गई है।

पाकिस्तान के लिए यह जरूरी क्यों है?

पाकिस्तान अभी भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहा है। उस पर यूएई का 3.5 बिलियन डॉलर का लोन चुकाने का दबाव है। यूएई ने इस महीने के आखिर में पाकिस्तान से पैसा मांग लिया है। वहीं ईरान जंग के कारण पाकिस्तान में महंगाई बढ़ गई है। IIMF पहले ही पाकिस्तान को आंख दिखा चुका है। ऐसे में पाकिस्तान के पास पैसा लाने के कुछ ही तरीके बचे हैं।

पाकिस्तान अभी भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहा है। उस पर यूएई का 3.5 बिलियन डॉलर का लोन चुकाने का दबाव है। यूएई ने इस महीने के आखिर में पाकिस्तान से पैसा मांग लिया है। वहीं ईरान जंग के कारण पाकिस्तान में महंगाई बढ़ गई है। IIMF पहले ही पाकिस्तान को आंख दिखा चुका है। ऐसे में पाकिस्तान के पास पैसा लाने के कुछ ही तरीके बचे हैं।

हिंदमाता एंकर

ईरान को पस्त करने के लिए अमेरिका ने होर्मुज नाकाबंदी का दांव खेला था, लेकिन ईरान की स्ट्रेटजी के सामने यह दांव भी फेल होता दिख रहा है

होर्मुज ब्लॉक का दांव भी फेल, समंदर में अमेरिका के साथ ईरान ने कैसे कर दिया खेल?

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान
 ईरान की रणनीति ने अमेरिका के होर्मुज नाकाबंदी दांव को भी फेल कर दिया है। नाकाबंदी के पहले दिन ही 20 जहाज होर्मुज में अमेरिका के आंखों के सामने से गुजर गए। इन जहाजों को अमेरिका के 10 हजार सैनिक भी रोक नहीं पाए। ये जहाज चीन, लाइबेरिया के थे। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जल्द युद्ध खत्म होने की बात कही है। ट्रंप ने कहा कि युद्ध जल्द ही रूक सकता है। इससे पहले इस्लामाबाद में शांति वार्ता फेल होने के बाद अमेरिका की पूर्ण नाकाबंदी की घोषणा की थी। अमेरिका का कहना था कि इससे ईरान घुटने पर आ जाएगा। हालांकि, ईरान ने अपने दांव से अमेरिका को होर्मुज में भी चित कर दिया है। ईरान की रणनीति ने अमेरिका के होर्मुज नाकाबंदी दांव को भी फेल कर दिया है। नाकाबंदी के पहले दिन ही 20 जहाज होर्मुज में अमेरिका के आंखों के सामने से गुजर गए। इन जहाजों को अमेरिका के 10 हजार सैनिक भी रोक नहीं पाए। ये जहाज चीन, लाइबेरिया के थे। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जल्द युद्ध खत्म होने की बात कही है। ट्रंप ने कहा कि युद्ध जल्द ही रूक सकता है। इससे पहले इस्लामाबाद में शांति वार्ता फेल होने के बाद अमेरिका ने होर्मुज की पूर्ण नाकाबंदी की घोषणा की थी। अमेरिका का कहना था कि इससे ईरान घुटने पर आ जाएगा। हालांकि, ईरान ने अपने दांव से अमेरिका को होर्मुज में भी चित कर दिया है।

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान
 ईरान की रणनीति ने अमेरिका के होर्मुज नाकाबंदी दांव को भी फेल कर दिया है। नाकाबंदी के पहले दिन ही 20 जहाज होर्मुज में अमेरिका के आंखों के सामने से गुजर गए। इन जहाजों को अमेरिका के 10 हजार सैनिक भी रोक नहीं पाए। ये जहाज चीन, लाइबेरिया के थे। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जल्द युद्ध खत्म होने की बात कही है। ट्रंप ने कहा कि युद्ध जल्द ही रूक सकता है। इससे पहले इस्लामाबाद में शांति वार्ता फेल होने के बाद अमेरिका ने होर्मुज की पूर्ण नाकाबंदी की घोषणा की थी। अमेरिका का कहना था कि इससे ईरान घुटने पर आ जाएगा। हालांकि, ईरान ने अपने दांव से अमेरिका को होर्मुज में भी चित कर दिया है।

रूस ने US को याद दिलाया दुनिया का कायदा-कानून

कहा- ये ईरान का अधिकार

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन
 अगर ईरान-अमेरिका में शांति वार्ता को लेकर कोई अंतिम समझौता होता है तो ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम का क्या होगा यह एक बड़ा सवाल बन गया है। ईरान किसी भी हालत में अपने एनरिच्ड यूरेनियम से अपना अधिकार छोड़ना नहीं चाहता है। और अमेरिका चाहता है कि ईरान के यूरेनियम उसके पास नहीं रहे। इस बीच इस विवाद में रूस एक समाधान लेकर आया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लवरोव ने बुधवार को एक बार फिर से कहा कि मॉस्को ईरान में एनरिच्ड यूरेनियम की समस्या को सुलझाने में भूमिका निभाने के लिए तैयार है। लेकिन रूस ने अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय संधियों का कायदा-कानून बताते हुए कहा कि शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए न्यूक्लियर एनरिचमेंट ईरान का अधिकार है। दो दिन की यात्रा पर बीजिंग पहुंचे रूस के विदेश मंत्री लवरोव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए रूस के रोल पर कहा, यह भूमिका कई रूप ले सकती है, जिसमें अत्यधिक एनरिच्ड यूरेनियम को ईंधन-ग्रेड यूरेनियम में रीप्रोसेस करना, या भंडारण के लिए एक निश्चित मात्रा को रूस भेजना शामिल है। ऐसा कुछ भी जो ईरान को स्वीकार्य हो। एनरिच्ड यूरेनियम को ईंधन-ग्रेड यूरेनियम में रीप्रोसेस करने का मतलब मुख्य रूप से न्यूक्लियर ईंधन से बचे हुए यूरेनियम को रासायनिक तरीके से अलग करके उसे फिर से रिएक्टर में इस्तेमाल होने लायक बनाना है। यह प्रक्रिया तब शुरू होती है जब कोई न्यूक्लियर रिएक्टर में पहले से एनरिच्ड यूरेनियम को ईंधन रॉड्स के रूप में डाला जाता है। रिएक्टर चलने के दौरान यह ईंधन फिशनको प्रक्रिया से गुजरता है, जिससे ऊर्जा पैदा होती है लेकिन ईंधन धीरे-धीरे खर्च हो जाता है।

यूरेनियम पर फंस गई थी वार्ता
 इस्लामाबाद में हुए शांति वार्ता के दौरान ईरान का परमाणु कार्यक्रम बातचीत का मुख्य बिंदु था। दोनों पक्षों के बीच रेड लाइन्स टकरा गईं। अमेरिका की मांग थी कि ईरान पूरी तरह यूरेनियम संवर्धन बंद करे, मौजूदा एनरिच्ड यूरेनियम को जिसकी मात्रा 400 किलोग्राम तक बचाई गई है, इसे देश से बाहर निकाल दे या किसी और देश को सौंप दे। रूस ने यहां ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम को रखने में दिलचस्पी जताई है। कुछ रिपोर्टर्स के मुताबिक अमेरिका ने 20 साल के लिए यूरेनियम संवर्धन पर रोक की मांग की, ताकि ईरान परमाणु हथियार बनाने की क्षमता न बना सके। वहीं ईरान यूरेनियम संवर्धन को अपना अधिकार मानता है। ईरान ने 5 साल तक संवर्धन रोकने की पेशकश की लेकिन 20 साल या स्थायी बंदी को की मांग को अस्वीकार कर दिया। इसके अलावा ईरान ने स्टॉकहाइल को पूरी तरह सौंपने या हटाने से भी इनकार किया। ईरान ने कहा कि अमेरिका की मांगें 'अनुचित' और 'लालची' हैं।

शांति बैठक कराने वाले पाकिस्तान को ही अमेरिका ने दिया झटका

होर्मुज से लौटा दिए 2 जहाज

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद
 होर्मुज से पाकिस्तान के 2 जहाज को अमेरिका ने वापस लौटा दिया है। इसे पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। क्योंकि, ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौता कराने में पाकिस्तान काफी एक्टिव है। अमेरिका ने पाकिस्तान के 2 जहाजों को ऐसे वक़्त में लौटाया है, जब होर्मुज से चीन समेत कुछ देशों के 20 जहाज बेधड़क गुजरे हैं। पाकिस्तान सरकार ने इस पर आधिकारिक प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया है। अल अरबिया के मुताबिक पाकिस्तान के झंडे लगे 2 जहाज मंगलवार को होर्मुज से निकलने की कोशिश की, लेकिन उसे अमेरिकी सेना ने वापस लौटा दिया। यह तब हुआ, जब उसी रास्ते से चीन और अन्य देशों के जहाज गुजर रहे थे।

पाकिस्तान के 20 जहाजों को मिला है पास
 ईरान ने होर्मुज से जहाजों को ले जाने के लिए पाकिस्तान को 20 पास दे रखा है। इस पास के जरिए ईरान होर्मुज से पाकिस्तान के जहाजों को सुरक्षित निकालने का वादा किया था। पाकिस्तान अब तक 4 पास का इस्तेमाल कर भी चुका है, लेकिन अब अमेरिका ने ही उसे झटका दे दिया है। पाकिस्तान जहाजरानी विभाग से जुड़े एक अधिकारी ने अल अरबिया को बताया - जब ईरान ने रास्ते को ब्लॉक कर दिया था, तब भी हम इतने चिंतित नहीं थे। अब अमेरिका ने हमारे जहाजों को वापस कर दिया है। पाकिस्तान के जहाजरानी मंत्री जुनेद अनवर चौधरी का कहना है कि अन्य देशों की तरह पाकिस्तान को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हम लगातार बातचीत कर रहे हैं और समस्या का हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

होर्मुज से 20 जहाज बेधड़क निकले
 अमेरिका ने होर्मुज के बाहर नाकाबंदी की घोषणा की है। इसके तहत अमेरिका ने ओमान की खाड़ी और अरब सागर में 10 हजार सैनिकों को तैनात कर रखा है। इसके बावजूद नाकाबंदी के पहले दिन 20 जहाज बेधड़क इस रास्ते से गुजरे। वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक अमेरिकी सेना ने सिर्फ 6 जहाजों को ही रोक़ा। दिलचस्प बात है कि इनमें 2 जहाज पाकिस्तान के थे। इसे पाकिस्तान के लिए इसलिए भी बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि इस्लामाबाद में 2 दिन बाद ईरान और अमेरिका के बीच पीस डील पर बातचीत होनी है।

तुर्की के एक स्कूल में छात्र ने फिर की अंधाधुंध फायरिंग

4 की मौत, घायल हुए 20 लोग

हिंदमाता नेटवर्क @ अंकारा
 दक्षिण-पूर्वी तुर्की के एक स्कूल में बुधवार को एक छात्र ने 2 क्लासरूम में अंधाधुंध गोलीबारी की। फायरिंग में 4 लोगों की मौत हो गई है और कम से कम 20 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने फायरिंग की इस घटना के बारे में जानकारी दी है। काहरमनमारस प्रांत के गवर्नर मुकर्रम उनलुअर ने बताया कि गोलीबारी करने वाला छात्र भी मारा गया है। वह अपने पिता की बंदूक लेकर स्कूल आया था। गोलीबारी करने वाले छात्र के पिता रिटायर्ड पुलिस अधिकारी थे। उसके पास 5 हथियार और 7 मैगजीन थीं।

टीचर और छात्रों की हुई मौत

गवर्नर मुकर्रम उनलुअर ने ने बताया कि मारे गए लोगों में एक टीचर और 3 छात्र शामिल थे। हमले का मकसद तुरंत पता नहीं चल पाया है। मीडिया रिपोर्टों में बताया गया कि काहरमनमारस के ओनिकीसुबात जिले में स्थित स्कूल में गोलीबारी के बाद अधिकारियों ने वहां पुलिस और एम्बुलेस को भेजा है। घटनास्थल से कम से कम 2 लोगों को एम्बुलेस में ले जाते हुए भी देखा गया है। स्कूल में हुई गोलीबारी की घटना को लेकर तुर्की के न्याय मंत्रालय ने कहा कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

ईरान के सामने लगातार चित हो रहा US
 अमेरिका ईरान के सामने लगातार चित हो रहा है। जंग की शुरुआत में अमेरिका ने ईरान में तख्तापलट की बात कही, जिसके बाद ईरान ने अपने सैन्य ढांचे को लोकल स्तर पर विभाजित कर दिया, जिसके कारण ईरान में तख्तापलट नहीं हो पाया। वहीं ईरान के मिसाइल सिस्टम को भी अमेरिका बर्बाद नहीं कर पाया। थक-हार कर अमेरिका ने ईरान के साथ बातचीत की प्रक्रिया शुरू की। इसमें भी ईरान ने अपनी शर्तें थोप दी।

बिजनेस वर्ल्ड

देश के आयात-निर्यात पर मिडिल-ईस्ट तनाव का बुरा असर, 57.95% गिरा पश्चिम एशिया को होने वाला एक्सपोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश का वस्तु निर्यात मार्च में 7.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ घटकर 38.92 अरब डॉलर पर आ गया। इतना ही नहीं, पश्चिम एशिया क्षेत्र को भारत का निर्यात 57.95 प्रतिशत घट गया। सरकार के बुधवार को जारी आंकड़ों से ये जानकारी मिली। इस दौरान, भारत का आयात भी 6.51 प्रतिशत घटकर 59.59 अरब डॉलर रह गया, जबकि पिछले साल मार्च में भारत का आयात 63.75 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण होर्मुज स्ट्रेट जैसे प्रमुख वैश्विक व्यापार मार्ग बाधित होने के कारण आयात और निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है। इस साल मार्च के दौरान देश का व्यापार घाटा 20.67 अरब डॉलर रिकॉर्ड किया गया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि नूनीतियों के बावजूद देश का निर्यात क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 4.22 प्रतिशत बढ़कर 860 अरब डॉलर रहा। देश का वस्तु निर्यात मार्च में समाप्त वित्त वर्ष 2025-26 में एक प्रतिशत बढ़कर 441.78 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले 437.7 अरब डॉलर था। इस दौरान आयात भी 774.98 अरब डॉलर हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 721.2 अरब डॉलर था। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का सेवा निर्यात 418.31 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण मार्च में पश्चिम एशिया क्षेत्र को भारत का निर्यात 57.95 प्रतिशत घट गया। पिछले महीने इस क्षेत्र से कुल आयात में भी 51.64 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वाणिज्य सचिव ने ये भी कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अगले महीने से लागू हो सकता है।

सिर्फ 1 दिन में 9.41 लाख करोड़ का मुनाफा, निवेशकों की संपत्ति में दर्ज की गई बंपर बढ़ोतरी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अमेरिका और ईरान के बीच नई कूटनीतिक कोशिशों की उम्मीद के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली। आज की इस तेजी के कारण निवेशकों की संपत्ति में 9.41 लाख करोड़ रुपये का भारी उछाल दर्ज किया गया है। बुधवार को बाजार ने लगभग 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ कारोबार की शुरुआत की थी और लगभग इसी तेजी के साथ कारोबार बंद भी किया। आज बीएसई सेंसेक्स 12633.67 अंकों (1.64 प्रतिशत) की तेजी के साथ 78,111.24 अंकों पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी आज 3888.65 अंक (1.63 प्रतिशत) बढ़कर 24,231.30 अंकों पर बंद हुआ। बुधवार को घरेलू शेयर बाजार में आई इस तेजी के बाद बीएसई पर लिस्ट कंपनियों का मार्केट कैप 9,41,461.6 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4,58,55,016.77 करोड़ रुपये (4,910 अरब डॉलर) हो गया। इसका सीधा मतलब ये हुआ कि शेयर बाजार निवेशकों की संपत्ति में आज 9,41,461.6 करोड़ रुपये की भारी बढ़ोतरी हुई है। बताते चलें कि आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,422.85 अंकों (1.85 प्रतिशत) की तेजी के साथ 78,270.42 अंकों तक पहुंच गया था। हालांकि, अंत में ये अपने इंट्राडे हाई से मामूली गिरावट के साथ 78,111.24 अंकों पर बंद हुआ। मिडिल-ईस्ट में तनाव कम होने की उम्मीदों के बीच जब एक तरफ शेयर बाजार में भारी तेजी देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर, आज सोने और चांदी की कीमतों में भी बंपर बढ़ोतरी हुई है।

शहरी बेरोजगारी दर मार्च, 2026 में बढ़कर 6.8 प्रतिशत हो गई

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

इस साल मार्च में देश में बेरोजगारी में मामूली इजाफा दर्ज किया गया है। 15 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों की बेरोजगारी दर इस साल मार्च में बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 4.9 प्रतिशत थी। इसका मुख्य कारण शहरी इलाकों में उच्च बेरोजगारी दर है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों से ये जानकारी मिली। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के निश्चित अवधि पर होने वाले श्रमबल सर्वेक्षण (PLFS) आबादी की गतिविधियों में भागीदारी, रोजगार और बेरोजगारी की स्थिति पर आंकड़ों का प्रारंभिक स्रोत है। PLFS पर जारी एक बयान में कहा गया है कि शहरी बेरोजगारी दर मार्च, 2026 में बढ़कर 6.8 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 6.6 प्रतिशत थी। बयान के अनुसार, 15 साल और उससे ज्यादा उम्र की ग्रामीण महिलाओं में बेरोजगारी दर मार्च, 2026 में लगभग स्थिर रही, जबकि इसी आयु वर्ग के पुरुषों में बेरोजगारी दर फरवरी, 2026 की तुलना में मार्च, 2026 में मामूली ज्यादा थी। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला बेरोजगारी दर मार्च, 2026 में स्थिर बनी रही। अखिल भारतीय स्तर पर, मासिक अनुमान कुल 3,75,262 व्यक्तियों के सर्वे से प्राप्त जानकारी पर आधारित है। शहरी श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) में स्थिरता का रुख है। मार्च, 2026 में 15 साल और उससे ज्यादा उम्र के व्यक्तियों में समग्र श्रम बल भागीदारी दर 55.4 प्रतिशत दर्ज की गई, जो फरवरी, 2026 के 55.9 प्रतिशत से थोड़ी कम है।

Air India को हुआ 20,000 करोड़ का भारी नुकसान, अब टाटा ग्रुप और सिंगापुर एयरलाइंस से मांगी मदद

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

एयर इंडिया के लिए पिछला वित्त वर्ष उम्मीदों के विपरीत बेहद खराब रहा। रिपोर्टर्स के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त हुए वित्त वर्ष में कंपनी को 220 अरब रुपये (लगभग \$2.4 बिलियन) का भारी वाणिज्य घाटा हुआ है। यह नुकसान कंपनी के चतुर्थ के अनुमानित घाटे (\$1.6 बिलियन) से कहीं ज्यादा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, एयर इंडिया ने अब अपने शेयरधारकों से फाइनैशियल मदद की गुहार लगाई है। एयर इंडिया के इस रिकॉर्ड घाटे के पीछे कई बड़े कारण जिम्मेदार अहमदाबाद लेंनन फ्रेश रहा है। जून 2025 में एक बोगस 787 ड्रीमलाइनर के दुर्घट फ्रेश ने कंपनी को झुकझोर दिया, जिसमें 240 से ज्यादा लोगों की जान गई। इससे अंतरराष्ट्रीय और घरेलू सेवाओं में भारी कटौती करनी पड़ी। इसके अलावा, पाकिस्तान द्वारा अपना हवाई इंधन बंद करने और मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण एयर इंडिया को अमेरिका और यूरोप के लिए त्रैवे और महंगे स्टूट अपाने पड़े। मध्य पूर्व का क्षेत्र एयर इंडिया की कुल क्षमता का 16% हिस्सा है, जो युद्ध के कारण काफी हद तक टप पड़ा है।

पाकिस्तानी रुपया नहीं अब क्रिंटो बनेगा पाक का हथियार, किया बड़ा ऐलान

हिंदमाता नेटवर्क @ कराची

पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक ने 'वर्चुअल एसेट्स एक्ट 2026' लाकर वर्चुअल एसेट्स - जिसमें क्रिप्टोकॉरेंसी भी शामिल हैं - के इस्तेमाल को कानूनी मान्यता दे दी है। यह हाल के सालों में देश के डिजिटल फाइनेंशियल सेक्टर में आए सबसे बड़े बदलावों में से एक है। इस नए कानून के तहत, स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने 'पाकिस्तान वर्चुअल एसेट रेगुलेटरी अथॉरिटी' (PVARA) बनाई है। यह एक वैधानिक संस्था है, जो देश में वर्चुअल एसेट्स से जुड़ी सभी गतिविधियों को निगरान करने, उन पर नजर रखने और उनकी देखरेख करने के लिए जिम्मेदार होगी। पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक की ओर से एक स्कैफ़ल भी जारी किया गया है। आइए आपको भी बताते हैं कि इस स्कैफ़ल में क्या गया है। मंगलवार को सेंट्रल बैंक की ओर से जारी एक स्कैफ़ल में कहा गया कि यहां बताई गई शर्तों का सख्ती से पालन करने पर, SBP द्वारा रेगुलेट की जाने वाली संस्थाएं (RES) उन संस्थाओं के बैंक खाते खोल सकती हैं, जिन्हें PVARA ने 'वर्चुअल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स' (VASPs) के तौर पर विधिवत लाइसेंस दिया है। इसमें यह भी कहा गया कि ये नए निर्देश तुरंत लागू होंगे। इस कदम से असल में पाकिस्तान में क्रिप्टोकॉरेंसी और डिजिटल एसेट से जुड़े व्यवसायों के लिए पहला औपचारिक कानूनी ढांचा तैयार हो गया है। PVARA ने अब पाकिस्तान में, विदेशों में रहने वाले पाकिस्तानियों द्वारा, और एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट के बिजनेस में डिजिटल करेंसी एसेट्स के इस्तेमाल और लेन-देन को औपचारिक रूप से कानूनी मान्यता दे दी है। पहले, पाकिस्तान का क्रिप्टोकॉरेंसी और डिजिटल एसेट्स को लेकर रवैया बहुत ज्यादा सख्त था, और बैंकिंग चैनल ऐसे व्यवसायों के लिए ज्यादातर बंद ही रहते थे। इस नए रेगुलेशन का मतलब है कि अब लाइसेंस प्राप्त क्रिप्टोकॉरेंसी एक्सचेंज, वॉलेट प्रोवाइडर्स, डिजिटल एसेट प्लेटफॉर्म और उनसे जुड़ी फिनटेक कंपनियां पाकिस्तान के औपचारिक बैंकिंग सिस्टम का इस्तेमाल कर सकेंगी।



राका में शाहरुख खान की एंट्री : एटली की फिल्म राका बड़े पर्दे पर अपना नाम कमाने के लिए काफी मेहनत कर रही है और इसके लिए एक बहुत बड़ा प्लान भी तैयार कर लिया गया है। इसी के साथ आपको बता दें कि डायरेक्टर एटली और अल्लू अर्जुन के रिलेशन काफी बेहतर हैं। जवान की शूटिंग के दौरान एक खबर यह भी सुनने को मिली थी अल्लू अर्जुन इस फिल्म में थोड़ा सा रोल प्ले करेंगे लेकिन पुष्पा 2 की वजह से वो इस मूवी में कैमियो नहीं कर पाए थे।

■ इसी बीच एक नया अपडेट सामने आया है। लोगों के चहते किंग खान यानि की शाहरुख खान की भी इस फिल्म में एंट्री होगी। अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन पर इस मूवी का ऐलान किया गया था। इस पोस्टर की खास बात यह है कि इसमें अल्लू अर्जुन का आधा हिस्सा भेड़िये जैसा दिखाया हुआ है, जिस वजह से इसकी खासियत और भी ज्यादा बढ़ गई है। अल्लू अर्जुन के साथ दीपिका पादुकोण भी इस मूवी में अहम किरदार निभाती हुई नजर आएंगी।

धनुष के साथ काम कर सकती हैं सारा अर्जुन



धुरंधर 2 को आए 1 महीना होने वाला है लेकिन उसका क्रेज खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। धुरंधर 2 ने कुछ ही दिनों में 1700 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है। इस मूवी के बाद से ही सारा अर्जुन अपनी एक्टिंग की वजह से चर्चाओं में हैं। आज के समय में वो सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जिस वजह से सारा की डिमांड पहले से भी ज्यादा है। रिपोटर्स के अनुसार अब सारा अर्जुन बॉलीवुड के बाद साउथ की फिल्म में नजर आ सकती हैं। सूत्रों के अनुसार इस बार सारा अर्जुन नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता धनुष के साथ काम करेंगी और इस मूवी के निर्देशक तमिलरासन पचामुथु होंगे।

सारा अर्जुन को मिलेगा मौका

रिपोर्ट के अनुसार तमिलरासन पचामुथु ने इस मूवी में सबसे पहले मेन एक्ट्रेस के लिए रुविमणी वसंत का चुनाव किया गया था लेकिन अब ऐसा कहा जा रहा है कि उनकी जगह शायद सारा अर्जुन ले सकती हैं। मूवी के मेकर्स अभी भी इस बात पर सोच-विचार कर रहे हैं। इस खबर की अभी तक कोई पुष्टि नहीं है, ऐसा सिर्फ अंजादा ही लगाया जा रहा है।

सारा अर्जुन का वर्कफ्रंट

सारा अर्जुन के काम की बात की जाए तो फिलहाल उनकी फिल्म 'धुरंधर 2' इस समय ऊंचाइयों पर है। इसके पहले पार्ट के बाद से ही सारा अर्जुन की लोकप्रियता दिन ब दिन बढ़ती जा रही है।

धनुष का वर्कफ्रंट

साउथ के जाने-माने एक्टर धनुष ने जनवरी में ही अपनी अगली मूवी घोषणा की थी। धनुष इस समय कारा नाम की मूवी पर काम कर रहे हैं।



मां के किरदार में नेहा धूपिया

अभिनेत्री नेहा धूपिया अपनी अपकमिंग फिल्म '52 ब्लू' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म से वह हॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म के मेकर्स ने इसका पहला लुक और ट्रेलर जारी किया है। नेहा धूपिया इसमें एक अलग लुक में नजर आ रही हैं। यह फिल्म फीफा वर्ल्ड कप 2022 के बैकग्राउंड में एक भारतीय प्रवासी मजदूर की जिंदगी पर आधारित है।

नेहा धूपिया का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि नेहा धूपिया ने 2003 में फिल्म 'कयामत' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। आखिरी बार वह फिल्म 'बेड न्यूज' 2024 में नजर आई थीं। अब वह हॉलीवुड फिल्म '52 ब्लू' में नजर आएंगी।

ट्रेलर में क्या है?

2 मिनट 11 सेकंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि नेहा धूपिया ने उस व्यक्ति (यादव शशिधर) की मां का किरदार निभाया है, जो लियोनेल मेस्सी का बहुत बड़ा फैन है। वो लियोनेल मेस्सी से मिलने विदेश जाता है। वहां जाकर वह फंस जाता है। भारत में आशीष का परिवार पहले तो उनके विदेश जाने पर खुश होता है, बाद में जब वह वापस नहीं आता है, तो परिवार के लोग परेशान होते हैं। बेटे के दूर हो जाने पर नेहा धूपिया भी परेशान होती हैं।

मां के किरदार में नेहा धूपिया

इस फिल्म में नेहा धूपिया पहली बार एक मां का किरदार निभाएंगी। उनके साथ आदिल हुसैन भी हैं, जो उनके पति का किरदार निभा रहे हैं। यह इन दोनों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी है। फिल्म का ज्यादातर हिस्सा कॉमिक्स में फिल्माया गया है, जहां के तटीय और द्वीपीय नजारे कहानी को बेहतर तरीके से पेश करते हैं। यह फिल्म मिस के फिल्ममेकर अली अल-अरबी के निर्देशन में बनी है।

कृष्ण जन्मभूमि पर लॉन्च हुआ 'कृष्णावतारम' का ट्रेलर



इस एक ऐसा पल जिसने सिनेमा और आध्यात्म के बीच की सीमाओं को मिटा दिया है। फिल्म 'कृष्णावतारम' का भव्य ट्रेलर पवित्र कृष्ण जन्मभूमि पर लॉन्च किया गया। यह सिर्फ एक ट्रेलर लॉन्च नहीं था, बल्कि एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव बन गया, जिसमें हजारों श्रद्धालु एक साथ भक्ति में लीन नजर आए।

■ जैसे ही ट्रेलर का अनावरण हुआ, पूरा वातावरण 'राधे-राधे' और 'जय श्री कृष्ण' के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने इस पल को और भी खास बना दिया। यह आयोजन केवल एक स्थान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि रमन रेती मंदिर, राधा रानी मंदिर, प्रेम मंदिर और इस्कॉन वृंदावन जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों तक इसका विस्तार किया गया। इस तरह यह लॉन्च एक मल्टी-लोकेशन आध्यात्मिक उत्सव में बदल गया। फिल्म के निर्माताओं के अनुसार, 'कृष्णावतारम' केवल एक भव्य फिल्म नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए एक पवित्र अर्पण है। इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि यह दर्शकों को न सिर्फ शानदार विजुअल्स दे, बल्कि एक गहरी भावनात्मक और आध्यात्मिक यात्रा पर भी ले जाए।

■ फिल्म की रचनात्मक टीम भी बेहद दमदार है। इसकी कहानी प्रकाश कापड़िया और राम मोरी ने लिखी है, जबकि सिनेमैटोग्राफी अयानका बोस ने संभाली है। संगीत प्रसाद एस का है, जो फिल्म की भावनाओं को और गहराई देता है। प्रोडक्शन डिजाइन चोव्कस भारद्वाज का है, वहीं कॉस्ट्यूम्स निधि यशा द्वारा तैयार किए गए हैं। गीतों को इरशाद कामिल ने लिखा है। फिल्म का वैश्विक वितरण AA Films द्वारा किया जाएगा और इसका संगीत सांयोगामा द्वारा रिलीज किया जाएगा। निर्देशक हार्दिक गज्जर के निर्देशन में बनी इस फिल्म को साजन राज कुरुप और शोभा संत के साथ-साथ पूनम श्रीफ और पार्थ गज्जर ने प्रोड्यूस किया है। खास बात यह है कि 'कृष्णावतारम' को तीन भागों में बने वाली एक भव्य फ्रैग्वेंसी के पहले चैप्टर के रूप में पेश किया जा रहा है। यह फिल्म 7 मई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कुब्रा सैत के यूनिक फैशन

फिल्म रेडी से लेकर कल्ट-फेवरेट सीरीज सैक्रेड गेम्स तक, और फिर देवा, सन ऑफ सरदार 2, द ट्रायल और हाल ही में आई 'संकल्प' में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराने वाली कुब्रा सैत ने हमेशा ऐसे रोल्स चुने हैं, जो अलग और यादगार हों। ठीक उसी तरह, उनका फैशन सेंस भी एक्सपेरिमेंटल, कॉन्फिडेंट और पूरी तरह से उनका अपना रहा है। तो आइए एक नजर डालते हैं उनके यूनिक सिग्नेचर स्टाइल मोमेंट्स पर।

द डेरिंग ग्लैम डीवा

शिमरिंग मिनी ड्रेस में बेहद ग्लैमरस और बोल्ड अंदाज में नजर आ रही कुब्रा शीयर डिटेल्ड और स्ट्रक्चर्ड सिल्वेट्स के साथ अपने फियरलेस अंदाज में न सिर्फ आकर्षक नजर आ रही हैं, बल्कि अपने फियरलेस फैशन अप्रोच को भी बखूबी दर्शा रही हैं। वाहे रेड कार्पेट हो या कैज्युअल आउटिंग, यह लुक पूरी तरह उनके आत्मविश्वास और उनकी स्टाइल पावर को दिखाता है।

पावर ड्रेसिंग का नया अंदाज

क्रॉड ब्लेजर के साथ ड्रेड, हार्ड-सिल्ट स्कर्ट कुब्रा सैत के साथ हुए लेकिन अलग स्टाइल को दिखाता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि उनका यह आउटफिट ताकत और नज़ाकत का बेहतरीन मेल है, जो साबित करता है कि पावर ड्रेसिंग हमेशा एक जैसी नहीं होती।

सादगी में भी खास अंदाज

एक दो-रंगों वाले गाउन में फिटेड टॉप और घेरदार स्कर्ट के साथ कुब्रा सैत सादगी भरा आकर्षण पेश करती हैं। साफ-सुथरी डिजाइन और अलग-अलग टेक्सचर उनके सादगी भरे लेकिन शानदार फैशन सेंस को उभारते हैं, जहां 'लेस इज मोर' पूरी तरह सही लगता है।

स्टाइलिश और नए प्रयोगों वाला स्ट्रीट स्टाइल

कुब्रा का मस्तीभरा अंदाज उनके बोल्ड लेयर्ड लुक में साफ नजर आता है, जिसमें खास तरह की स्ट्राइप्स और भारी-भरकम जूते शामिल हैं। यह आरामदायक लेकिन स्टाइलिश लुक उनके एक्सपेरिमेंट करने वाले स्वभाव को दिखाता है, वह फैशन की सीमाएं तोड़ने से बिल्कुल नहीं डरती। डीले-डाले वाइड-लेग पैटर्स और होल्टर स्टाइल टॉप के साथ कुब्रा सैत एक आरामदायक लेकिन सलीकेदार लुक में नजर रही हैं।



अजिंक्य से छिन सकती है कप्तानी?

आईपीएल 2026 के बीच में अगर एक कप्तान से कप्तानी छीन ली जाए तो हैरान मत होना। आईपीएल का इतिहास ऐसा रहा है। टीमों बीच सीजन में अपने कप्तान बदल देती हैं या फिर खिलाड़ी कप्तानी छोड़ देते हैं। आईपीएल 2026 में ऐसा कोलकाता नाइट राइडर्स यानी केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ हो सकता है। आखिर रहाणे से केकेआर कप्तानी क्यों छी सकती है? इसके पीछे कई कारण हैं, उनके बारे में जान लीएंगे। सबसे पहले बात आईपीएल 2026 में टीम के प्रदर्शन की करें, तो कोलकाता नाइट राइडर्स ने एक भी मुकाबला नहीं जीता है। एक अंक टीम के खाते में जरूर है, लेकिन वह भी उन्हें बारिश से बाधित मैच के रद्द होने की वजह से मिला था। उस मुकाबले में भी टीम की हालत खस्ता थी। बाकी के चार मुकाबले टीम हार ही चुकी है। हालांकि, इसमें सिर्फ कप्तान का दोष नहीं है, क्योंकि बाकी खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे, लेकिन क्रिकेट में हमेशा कप्तान को ही ज्यादा जिम्मेदार हार के लिए ठहराया जाता है, मगर जीत के लिए उतना श्रेय शायद नहीं मिलता है।

पिछले सीजन का हाल

आईपीएल 2025 में भी अजिंक्य रहाणे टीम के कप्तान थे। केकेआर की टीम ने 2024 में खिताब (श्रेयस अय्यर की कप्तानी में) जीता था, लेकिन अगले ही साल टीम प्लेऑफ्स के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर पाई। 14 मैच रहाणे की कप्तानी में पिछले सीजन केकेआर ने खेले और उनमें से सिर्फ 5 मैचों में टीम को जीत मिली। 7 मुकाबले टीम ने गंवाए और दो मुकाबले बेनतीजा रहे। इस तरह 12 अंक केकेआर के खाते में थे।

रहाणे खराब कप्तान

अब आते हैं अजिंक्य रहाणे के आईपीएल में कप्तानी करियर पर तो वे अब तक 43 मैचों में कप्तानी कर चुके हैं और 14 मुकाबलों में अपनी टीमों को जीत दिला पाए हैं। उनका जीत प्रतिशत महज 34.14 का है, जो 30 से ज्यादा जीतों में कप्तानी करते हुए सबसे घटिया है। वे कोलकाता नाइट राइडर्स से पहले राजस्थान रॉयल्स और राजजिग पुणे सुपर जायंट्स की कप्तानी कर चुके हैं। अजिंक्य रहाणे की मौजूदा फॉर्म पर नजर डालें तो पांच मैचों में एक अघोरातक और एक 41 रनों की पारी जरूर है।



केकेआर और आईपीएल का इतिहास

आईपीएल में हम कई टीमों के साथ देख चुके हैं कि उन्होंने बीच सीजन में कप्तान बदला है। यहां तक कि कोलकाता नाइट राइडर्स में भी एक बार ऐसा हो चुका है। दिनेश कार्तिक ने कप्तानी छोड़कर डेवोन मॉर्गन को सौंपी थी। कार्तिक ने इसके पीछे का कारण बैटिंग पर फोकस करना बताया था, लेकिन अंदर क्या बात हुई होगी, ये सभी को पता है। टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थी। हम रिकी पॉटिंग, डेविड वॉर्नर, गौतम गंभीर, दिनेश कार्तिक, रविंद्र जडेजा, डेविड मिलर, शिखर धवन, शेन वॉटसन, डैनियल वितोरी और खुद अजिंक्य रहाणे से बीच सीजन में कप्तानी जाते हुए देख चुके हैं। अगर अजिंक्य रहाणे को केकेआर की कप्तानी से हटाया जाता है तो उनके लिए यह नया नहीं होगा। वे इस जिल्लत को पहले भी झेल चुके हैं। राजस्थान रॉयल्स टीम के कप्तान वे 2019 में थे, लेकिन मैनेजमेंट ने बीच सीजन में स्टीव स्मिथ को कप्तानी सौंप दी थी। बाद में फिर से रहाणे ने उस सीजन कप्तानी की थी। वे सबसे बड़ा सवाल है कि अगर अजिंक्य रहाणे से कप्तानी छीनी जाती है तो फिर केकेआर का कप्तान अगला कौन होगा?